



हिमनूर

2021-22

राजकीय आर्य महाविद्यालय

नूरपुर, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

फोन : 01893-220145, 221145

Website : www.gadcnurpur.org

e-mail : nurpurcollegeprincipal@gmail.com | gcnurpur-hp@nic.in



Message

It gives me immense pleasure to learn that Govt. Arya Degree College Nurpur in is bringing out its annual college magazine 'HIMNOOR'

The college magazine provides a unique platform for the young minds to channelize their creative outburst and give expression to their imagination. Today's youth is tomorrow's future and hence it is very important to understand what is going on in their mind.

The student community of the college will definitely give expression to their literary and innovative thoughts and develop the habit of contemplation.

I wish your institution and its students a bright future.

RAKESH PATHANIA
Forest & YSS Minister
Himachal Pradesh



Principal's Message

write to taste life twice, in the moment and in retrospect.

- Anais Nin

It is matter of great pleasure that the new issue of our college magazine 'HIMNOOR' is out. This magazine is a result of creative hard work of the students and the teachers.

The saying goes "education is the most powerful weapon which you can use to change the world". We make all efforts to develop the over all personality of students who must be taught how to think and not what to think. College is the place where all students grow not just in size, not even in knowledge but in curiosity, courage, confidence, competence and understanding. These qualities once adopted cannot be forgotten in life.

Life is a battle and we have to win this battle with strifes. One must fight the battle of life bravely. Life consists of action not contemplation. Those who do not act, go on hesitating and postponing things and hence do not achieve anything. So through this magazine I advise my students to make an aim in life and put all your efforts to achieve that aim

"Arise, awake and sleep not
Till the goal is reached".

I really appreciate the efforts of editorial board and congratulate them for this publication.

With all my good wishes and blessing

Dr. Aruna Sharma
Principal
Govt. Arya Degree College
Nurpur (Kangra) H.P.

मुख्य सम्पादक की कलम से.....



हूँ अगर मैं शब्द तो अर्थ उसका तुम ही हो
गर हूँ मैं मुस्कान तो हर्ष उसका तुम ही हो ।
हूँ अगर मैं प्रार्थना तो पुकार मेरी तुम ही हो
गर हूँ मैं पंक्ति तो विस्तार उसका तुम ही हो ।
हूँ अगर मैं छंद तो काव्य उसका तुम ही हो
गर हूँ मैं इच्छा तो प्राप्य केवल तुम ही हो ।
केवल तुम ही हो ।

मानव जीवन अनंत प्रवाह का प्रतीक है, क्योंकि व्यक्ति ने समय के साथ-साथ अपने भाव एवं बुद्धि की अनंतता को मापने के लिए असाध्यपूर्ण मानसिक कर्म से अनेक घाट विनिर्मित किए हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा जो व्यक्ति के इस बौद्धिक व्यायाम से वंचित रह गया होगा। इसमें साहित्य एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति अपनी मनोभावनाओं को सहज स्वरूप में व्यक्त कर पाता है। यही वह मानव भाव एवं कल्पनाएं होती हैं, जो आने वाले समय में नए परिवेश का निर्माण करती हैं। राजकीय आर्य समाज महाविद्यालय नूरपुर कांगड़ा हिमाचल प्रदेश की वार्षिक पत्रिका “हिमनूर” विद्यार्थियों के इस सहज स्वरूप का प्रतिरूप है।

“हिमनूर” पत्रिका विद्यार्थियों को उनकी अव्यक्त भावनाओं, साहित्यिक काल्पनिकता को उन्मुक्तता प्रदान करती है, जिससे समाज के प्रति उनके विचारों को शक्ति प्राप्त होती है। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण जी ने भी यही संदेश दिया है कि

“न ही कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत् ।

कार्यते ह्यशः कर्म सर्वं प्रकृतिजैर्गुणैः ॥”

अर्थात् कोई भी मनुष्य क्षण भर भी कर्म किए बिना नहीं रह सकता। सभी प्राणी प्रकृति के अधीन हैं और प्रकृति अपने अनुसार हर प्राणी से कर्म करवाती है और उसके परिणाम भी देती है।

विद्यार्थियों के साथ सतत प्रयास को प्रकाशनार्थ सलंगन करते हुए मुझे अतीव हर्षोत्साह हो रहा है। मैं इनके शुभकामनाएं देते हुए इनके भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

डॉ० अनिल कुमार
सहायक आचार्य
हिन्दी विभाग
राजकीय महाविद्यालय नूरपुर

हिमनूर



हिन्दी
अनुभाग



सत्र 2021-2022



प्राध्यापक सम्पादक - डॉ० अनिल कुमार

विषय सूची

क्र. सं.	रचना	रचनाकार	पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीय	डॉ० अनिल कुमार (सहायक प्रवक्ता हिन्दी विभाग)	3
2.	छात्र सम्पादक की कलम से	पलक चौधरी	3
3.	सहीब	पुर्णिमा	4
4.	आजादी	रवीना	4
5.	बड़े भालो	महिमा	4
6.	बचपन	प्रिया शर्मा	4
7.	अच्छाई	पुर्णिमा	5
8.	शिक्षा	नम्रता	5
9.	ज्ञान है हिन्दी	वंदना कान्हा	5
10.	कर गुजरो	यामिनी मेहरा	6
11.	जीवन	वेदिका पटियाल	6
12.	पेड़	सिमरन	6
13.	कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा	ईशा कुमारी	7
14.	जिंदगी की प्रेरणा	मोनिका देवी	7
15.	सफलता का मूल	अभिषेक चौधरी	7
16.	कारगिल विजय	सिमरन देवी	7
17.	ज्ञान है हिन्दी	आरती धीमान	8
18.	बेटी	मुत्कान	8
19.	हिन्दी	मनीषा सान्याल	8
20.	हिन्दी हमारी मातृत्व भाषा	प्रिया	8
21.	मेरी माँ	राखी चौधरी	9
22.	प्रकृति	आकृति	9
23.	काश जिन्दगी एक किताब होती	नेहा	9
24.	तू जिन्दगी को जी	मेघना	9
25.	देश के वीर जवान	सुरक्षा	10
26.	माँ	विष्वा	10
27.	माँ की प्यारी सीख	पूनम देवी	10
28.	बस एक कदम और —	वशिका शर्मा	11
29.	शिक्षक	नेहा देवी	11
30.	वक्त एक दास्तान	मोनिका	11
31.	प्रकृति का संदेश	मानसी	11
32.	सदाचार	अंजलि बेगम	12
33.	जिन्दगी	पल्लवी	12
34.	एक कविता हर माँ के लिए	प्रियका	12
35.	भारत कभी ना झुके हमारा	आरती धीमान	12

सम्पादकीय

प्रत्येक व्यक्ति में प्रतिभा किसी न किसी रूप में छुपी रहती है। बात है उसे सही दिशा देने और अपने अभ्यास से उजागर करने की। साहित्य इसी प्रतिभा रूपी आंचल की छाया स्वरूप सार्थक अभिव्यक्ति है। इसी के माध्यम से व्यक्ति समाज में रहते हुए अपने भावों का आदान प्रदान करता है। वर्तमान समय में हमारी युवा पीढ़ी इस दिशा एवं दशा से थोड़ी दूर खड़ी नजर आती है, किंतु यदि उसे सही मार्गदर्शन मिल जाए तो वह भी पूर्ण सबलता एवं सफलता के साथ स्वयं को समाज के सामने अभिव्यक्त कर सकती है।



हमारे महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'हिमनूर' के प्रस्तुत

अंक को प्रकाशनार्थ संलग्न करते हुए मेरा हृदय हर्षोल्लास से गदगद हो रहा है। यह पत्रिका भी साहित्यिक पदार्पण के लिए एक मंच कार्य करती है। मुझे आशा है कि "करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान" वाली कहावत भविष्य में सार्थक सिद्ध हो जाएगी। मंगल कामनाओं सहित मैं सभी विद्यार्थियों को उनके भविष्य के शुभकामनाएं देता हूँ।

डॉ० अनिल कुमार

सहायक प्रवक्ता

हिन्दी विभाग

छात्र सम्पादक की कलम से

हमारा व्यवहार समाज से शुरू हो जाता है। जिस समाज में प्रत्येक व्यक्ति अपनी वास्तविकता से अपने भावों का आदान प्रदान करता है। बात उसे सही मार्गदर्शन देने की है। समाज साहित्य सार्थक अभिव्यक्ति है। समाज में युवा पीढ़ी को सही मार्ग दर्शन की आवश्यकता है। जो भव्य समाज में अपना पूर्ण योगदान दे सकती है। जैसे लकड़ी में आम विद्यमान है। उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति में प्रतिभा छुपी है। जरूरत है उसे जागृत करने की। साहित्य हमारे समाज का दर्पण है। जिससे युवा पीढ़ी को नया प्रवेश मिलेगा व समाज खुशहाल होगा। समाज को प्रकाश से भरना अपना कर्तव्य है। जिससे समाज को नई दिशा मिलेगी। हमारे महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका के प्रस्तुत अंक की प्रकाशनार्थ संलग्न करते अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। शुभकामनाओं सहित। सभी विद्यार्थियों को नये भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती हूँ।

पलक चौधरी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

शाहीद

हम भारत के वीर जवान
 वेश-हित सवा आए काम
 हम वेश के वीर कहलाए
 वेश के लिए कुर्बान हो जाए
 वेश की ओर जो आँख बिखाए
 उसे हम लोग मार भगाये
 वेश के खातिर हम आये काम
 हम भारत के वीर जवान
 हम खतरों से न घबराएँ
 खतरों से हम हाथ मिलाएँ
 हम आगे बढ़ जाएँ
 हम सच्चे इंसान कहलाएँ
 हम आपस में राय जुटावें
 दुश्मनों को मार भगाएँ
 हम आये लोगों के काम
 हम भारत के वीर जवान ।

पुर्णिमा

कला स्नातक - तृतीया वर्ष

अनुक्रमांक - 5114

आजादी

पंछी है कैव अगर,
 तो उड़ने में कर मदद तू ।
 रात है काली अगर,
 बिया जला कर रोशन कर तू ।
 बीत गए कई साल रुढ़िवादी विचारों में उलझ कर,
 सुलझा मन के भाव तू !
 औरत, आबमी या हो कोई बच्चा,
 सबके जीवन का कर सम्मान तू ।
 तोड़ वे बीमारें सारी,
 आगे बढ़ विजयी राह पर !
 उन वीरों ने क्या पाया,
 अगर तू अब भी डर में खोया !
 उठ जा तू छू ले आसमान,
 आजादी पे है सबका हक !

रवीना

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5140

बढ़े चलो

फूल बिछे हों या कांटे हों,
 राह न अपनी छोड़ो तुम ।
 चाहे जो विपदायें आएँ,
 मुख को जरा न मोड़ो तुम ।
 साथ रहे या रहे न साथी,
 हिम्मत मगर न छोड़ो तुम ।
 नहीं कृपा की भिक्षा मांगो,
 कर न बिन खन जोड़ो तुम ।
 बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
 पाठ प्रेम का पढ़े चलो ।
 जब तक जान बनी हो तन में,
 जब तक आगे बढ़े चलो ।

महिमा

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5155

बचपन

एक बचपन का जमाना था,
 जिस में खुशियों का सज्जाना था ।
 चाहत चौब को पाने की थी,
 पर बिल तितली का दिवाना था ।
 खबर ना थी कुछ सुबहा की,
 ना शाम का ठिकाना था ।
 थक कर आना स्कूल से,
 पर खेलने भी जाना था.....
 माँ की कहानी थी,
 परियों का फसाना था ।
 बारीश में कागज की नाव थी,
 हर मौसम सुहाना था ।

प्रिया शर्मा

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 6633

अच्छाई

तन्हाई में भी बहुत सी अच्छाई है।

बिना बात हंसाती है रूलाती है।

बड़े-बड़े ख्याल विखलाती है।

क्योंकि तन्हाई में भी है बहुत सी अच्छाई।

अपने आप में मिलवाती है।

ज़िंदगी जीने का तरीका सिखलाती है।

अपनों की याद बिलाती है।

बाते जो दफन हो गई हैं।

यादों की कदम में उस से मिलवाती है,

क्योंकि तन्हाई में भी बहुत सी अच्छाई है।

ख्यालों में मजधार में डुबोती है।

खुद पर भरोसा करना सिखलाती है,

क्योंकि तन्हाई में भी बहुत सी अच्छाई है।

पुर्णिमा

कला स्नातक - तृतीया वर्ष

अनुक्रमांक - 5114

शिक्षा

अंधकार को दूर कर जो प्रकाश फैला दे,

बुझी हुई आशा में विश्वास जो जगा दे,

जब लगे नामुकिन कोई भी चीज़,

उसे मुमकिन बनाने की राह जो दिखा दे वो है शिक्षा।

हो जो कोई असमर्थ, उसे समर्थता का पाठ पढ़ा दे,

अज्ञानी के मन में जो ज्ञान का दीप जला दे,

हर दर्द की दवा जो बता दे— वो है शिक्षा,

वस्तु की सही उपयोगिता जो समझाएँ ॥

दुर्गम मार्ग को सरल जो बनाए,

चकाचौंध और वास्तविकता में अन्तर जो दिखाए,

जो ना होगा शिक्षित समाज हमारा,

मुश्किल हो जाएगा सबका गुजारा,

इंसानियत और पशुता के बीच का अन्तर है शिक्षा

शांति, सुकून और खुशियों का जन्तर है शिक्षा।

भेदभाव, छुआछूत और अंधविश्वास दूर भगाने का मन्त्र है शिक्षा

जहाँ भी जली शिक्षा की चिंगारी, नकारात्मकता वहाँ से हारी,

जिस समाज में हो शिक्षित सभी नर-नारी,

सफलता-समृद्धि खुद बने उनके पुजारी,

इसलिए आओ शिक्षा का महत्व समझे हम,

आओ पूरे मानव समाज को शिक्षित करें हम ॥

नम्रता

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 8156

ज्ञान है हिन्दी

हर हिन्दोस्तानी की आन बान और ज्ञान है हिन्दी,

वास्तव में पूरे हिन्दोस्तानी की पहचान है हिन्दी,

जिसके श्रवण और वचन से महक जाए रोम-रोम,

भाषाओं के मंच पे उसी भाव का नाम है हिन्दी !!

भारत माँ के माथे पर सजने वाली बिन्दी का नाम है हिन्दी,

मिठास और आदर से परिपूर्ण भाषा का प्यारा नाम है हिन्दी,

जिससे जुड़ा है जन्म जन्मातरों से अनजान माँ का रिश्ता,

हर हिन्दोस्तानी की उस प्यारी मातृभाषा का नाम है हिन्दी,

नस-नस में बसी है जिसकी सुहानी-सुहानी मधुर सुगंध,

उसी मन-भावन मनमोहक सुगंध का नाम है हिन्दी !!



वंदना कन्थ

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक 5133

कर गुजरो

एक शिष्य अपने गुरु के पास पहुँचा और शिकायती लहजे में बोला - “बार-बार प्रयास करने के उपरान्त भी मैं काम करने में असमर्थ सिद्ध हो रहा हूँ। मैं क्या करूँ ?”

कुछ समय गुरु जी मौन रहे। तब अचानक ही उन्होंने अपना एक वस्त्र ज़मीन पर गिरा दिया। फिर अपने शिष्य की ओर मुड़े और बोले - ‘इसे उठाने का प्रयास करो और मुझे वापिस पकड़ाओ। कोशिक करो।’ बिना समय गंवाए, शिष्य झुका और वस्त्र उठाकर गुरु को सौंप दिया। गुरु जी ने पुनः उसे जमीन पर गिरा दिया और बोले - ‘मैं कह रहा हूँ कि इसे उठाने का प्रयास करो। शिष्य पुनः झुका और उसे उठा लिया। गुरु जी ने पुनः उसे गिरा दिया। यह प्रक्रिया कई बार चली और हर बार गुरु जी कहते रहे - ‘मैं कह रहा हूँ कि इसे उठाने का प्रयास करो।’ शिष्य हैरान था, समझ नहीं पा रहा था कि गुरु जी क्या समझाना चाह रहे हैं। फिर शिष्य ने एकचित होकर गुरु जी के शब्दों पर ध्यान दिया। अचानक ही उसमें एक विचार कौंधा - ‘गुरु जी कह रहे हैं कि इसे उठाने का प्रयास करो ... परन्तु मैं प्रयास कैसे कर सकता हूँ ? इसे या तो मैं उठा सकता हूँ या नहीं उठा सकता। मात्र मेरे पास दो विकल्प हैं। तो फिर मैं प्रयास कैसे कर सकता हूँ ? उसने यही ब्रह्म अपने गुरु के समक्ष रखा। तब गुरु जी बोले - ‘ठीक यही भूल तुम पिछले दो वर्षों से कर रहे हो - काम करने का प्रयास ! तुम्हारे पास दो विकल्प हैं - या तुम काम करो या मत करो। यह कहकर कि तुम ध्यान करने का प्रयास कर रहे हो, तुम्हारा मन तुम्हें छल रहा है। अर्थात् जब तुम कोई चीज़ करना ही नहीं चाहते, तब तुम केवल प्रयास करते हो। यदि तुम अपने मस्तिक को कहते हो कि ‘तुम इसका प्रयास करके देखो - तब वास्तव में तुम अपने मसितक को असफल होने के लिए कह रहे हो। इसलिए अपने मस्तिष्क से कहो कि तुम प्रयास करोगे और तब तुम परिणाम देखना। तुम्हारे शब्द तुम्हारे भीतर अद्भुत उत्साह और उमंग भर देंगे।

यामिनी मेहरा

कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 8158

जीवन

छोड़ो भी, ऐसा तो जीवन में होता है,
जो कभी मिलता है, वह कभी छिनता है।
लेकिन इससे डरकर
संध्या के सिंदूरी प्रकाश में
मंजरित तुलसी के नीचे दीया।
जलाना थोड़े ही नंद किया जाता है।
भगवान बात सुनें न सुनें
तो भी मंदिर तो मंदिर ही है,
उसमें जो रोज शाम दीया नहीं जलाता है,
वह तो घर लौटने के अपने ही मार्ग पर अंधेरा फैलाता है।

वेदिका पटियाल
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक 5137

पेड़

पेड़ लगाओ बहुत सारे
ये भी तो है बच्चों जैसे
वो बड़े होकर तुमको संभाल लेते हैं
और ये भी ऑक्सीजन कमाल बेते हैं
जैसे तुम्हें मिली वेसे आगे भी पहुँचाओ
ये ना रहे तो हम ना रहेंगे समझ जाओ।
करो वादा यही कि सब कुछ निभाओगे
जो यहाँ पड़ा वो आगे जाकर सबको समझाओगे।

सिमरन
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक 5189

कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा

कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा ।
 बड़ा कदम मंजिल नहीं तो तजुर्बा मिलेगा ।
 कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा ॥
 नहीं जाती मेहनत बेकार कोशिश करने वालों की ।
 मिल ही जाती है मंजिल हौसले रखने वालों की ॥
 कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा ।
 पथ पर चलना सीखेग, पथ पर चलने से पथ का अनुभव होगा ।
 मंजिल ही ना सही सफर का मजा होगा ।
 कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा ॥
 अर्जुन के तीर सा साध मरुस्थल से भी जल निकलेगा ।
 मेहनत कर पौधों को पानी दे, बंजर जमीन से भी फल मिलेगा ।
 कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा ॥
 कोशिशें जारी रख कुछ कर गुजरने की ,
 जो है आज अंधेरा कल उजाला भी होगा ।
 कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा ।
 हार कर क्यों बैठा है तू, हारना तेरी फितरत में नहीं ।
 जिंदा रख हौसला तू, हौसलों से कुछ मिलेगा ।
 कोशिश कर कुछ मिलेगा, आज नहीं तो कल मिलेगा ।

ईशा कुमारी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5102

जिंदगी की प्रेरणा

कुछ करना है, तो डटकर चल ।
 थोड़ा दुनिया से हटकर चल ॥
 लीक पर तो सभी चल लेते हैं ।
 कभी इतिहास को पलटकर चल ॥
 बिना काम के मुकाम कैसा ?
 बिना मेहनत के दाम कैसा ?
 जब तक ना हासिल हो मंजिल
 तो राह में आराम कैसा ?
 अर्जुन सा निशाना रख ।
 मन में न कोई बहाना रख ।
 लक्ष्य सामने है,
 बस उसी पे अपना ठिकाना रख ।
 सोच मत, साकार कर ।
 अपने कर्मों से प्यार कर ।
 मिलेगा तेरी मेहनत का फल ।
 किसी ओर का ना इंतजार कर
 जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले हैं
 जो करते रहे इंतजार उनकी
 जिंदगी में आज भी इमले हैं।

मोनिका देवी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक 1829

सफलता का मूल

मकड़ी गिरती उठती है सौ बार ,
 गिरकर उठना सिखाती है हर बार,
 सफल जिंदगी में वही होता है,
 जो कभी न अपना हौसला खोता है।
 सफलता का मूल वही जानता है,
 जो जिंदगी की राह में गिर कर उठता है।
 पैसे कमाना ही सफलता नहीं होती,
 लोगों के दिलों में जगह बनाना ही सफलता है होती ।
 तुम्हारे कार्य अगर हो दूसरों के लिए लाभकारी,
 तब सभी को लगती है आपकी सफलता प्यारी ।
 दूसरों को कभी न अपने से छोटा समझो,
 अमीर हो या गरीब सबको गले लगाना सीखो ।

अभिषेक चौधरी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5112

कारगिल विजय

एक जवान जो शहीद हो गया,
 संवेदनाओं के कितने बीज वो गया ।
 तिरंगे में लिपटी उसके घर पर आ गई,
 सिहर उठी हवाएँ उदासी सी छा गई ।
 तिरंगे में रखा खत जो उसकी माँ को दिख गया,
 मरता हुआ जवान उस खत में लिख गया ।
 तुझे कसम है माँ रोना नहीं है,
 तेरा बेटा तो तेरे दिल में कहीं है।
 बहना से कहना राखी पर याद ना करे,
 कहना की भाई बनकर अगली बार आऊँगा ।
 तुझसे दूर जल्दी ना जाऊँगा,
 रक्षा करने देश की मैं दोबारा आऊँगा ।

सिमरन देवी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक 5137

ज्ञान है हिन्दी

हर हिन्दोस्तानी की आन बान और ज्ञान है हिन्दी,
वास्तव में पूरे हिन्दोस्तान की पहचान है हिन्दी ।
जिसके श्रवण और वचन से महक जाए रोम-रोम,
भाषाओं के मंच पे उसी भाव का नाम है हिन्दी ।
भारत माँ के माथे पर सजने वाली बिन्दी का नाम है हिन्दी,
मिठास और अंदर से परिपूर्ण भाषा का प्यारा नाम है हिन्दी ।
हर हिन्दोस्तानी की उस प्यारी मातृभाषा का नाम है हिन्दी,
नस-नस में बसी है जिसकी सुहानी-सुहानी मधुर सुगंध ।
उसी मनभावन, मनमोहक सुगंध का नाम है हिन्दी ।

आरती धीमान

कला स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक - 46



हिन्दी

जन-जन की भाषा है हिन्दी
भारत की आशा है हिन्दी
जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है
वो मजबूत धागा है हिन्दी
हिन्दुस्तान की गौरवगाथा है हिन्दी
एकता की अनुपम परम्परा है हिन्दी
जिसके बिना हिन्द थम जाए
ऐसी जीवन रेखा है हिन्दी
जिसने काल को जीत लिया है
ऐसी कालजयी भाषा है हिन्दी
सरल शब्दों में कहा जाए तो
जीवन की परिभाषा है हिन्दी ।

मनीषा सन्याल

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5199

बेटी

जब-जब जन्म लेती है बेटी,
खुशियाँ साथ लाती है बेटी ।
ईश्वर की सौगात है बेटी,
सुबह की पहली किरण है बेटी ।
तारों की शीतल छाया है बेटी
आंगन की चिड़िया है बेटी
त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी,
नये-नये रिश्ते बनाती है बेटी ।
जिस घर जाए, उजाला लाती है बेटी,
बार-बार याद आती है बेटी ।
बेटी की कीमत उनसे पूछो
जिनके पास नहीं है बेटी ।
मुस्कान
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 5191

हिन्दी हमारी मातृत्व भाषा

अंग्रेजी में नंबर थोड़े कम आते हैं,
अंग्रेजी बोलने से भी घबराते हैं,
पर स्टाइल के लिए पूरी जान लगाते हैं,
क्योंकि हम हिन्दी बोलने से घबराते हैं,
एक वक्त था जब हमारे देश में हिन्दी का बोलबाला था,
माँ की आवाज़ में भी सुबह का उजाला था,
उस माँ को अब हम मोम बुलाते हैं,
क्योंकि हम हिन्दी बोलने से शर्माते हैं,
देश आगे बढ़ गया पर हिन्दी पीछे रह गई ,
इस भाषा से अब हम नज़र चुराते हैं,
माना अंग्रेजी पूरी दुनिया को चलाती है
पर हिन्दी भी तो हमारी पहचान दुनिया में कराती है।
फिर क्यों हम हिन्दी बोलने से शर्माते हैं
क्यों ना अपनी मातृत्व भाषा को फिर से सराखों पर बिठाएं
आओ हम सब मिलकर हिंदी को अपनाएं ।

प्रिया

वाणिज्य स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5161

मेरी माँ

माँ तो जन्नत का फूल है,
प्यार करना उसका असूल है,
दुनिया की मोहब्बत फिजूल है,
माँ की हर दुआ कबूल है,
ऐ इंसान माँ को नाराज करना तेरी भूल है
माँ के कदमों की मिट्टी
जन्नत की भूल है ।

राखी चौधरी
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 5194

काश जिंदगी एक किताब होती

काश जिंदगी सचमुच किताब होती
पढ़ सकता मैं कि आगे क्या होगा ?
क्या पाऊँगा मैं और क्या बिल खोयेगा ?
कब थोड़ी खुशी मिलेगी, कब दिल रोयेगा ?
काश जिंदगी सचमुच किताब होती ,
फाड़ सकता मैं उन लम्हों को
जिन्होंने मुझे रूलाया है।
जोड़ता कुछ पन्ने जिनकी यादों ने मुझे हंसाया है.....
खोया और कितना पाया है
हिसाब तो लगा पता कितना
काश जिंदगी सचमुच किताब होती,
वक्त से आंखें चुराकर पीछे चला जाता
टूटे सपनों को फिर से अरमानों से सजाता
कुछ पल के लिए मैं भी मुस्कराता
काश जिंदगी एक किताब होती !

नेहा
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 5110

प्रकृति

है अजीब यह सृष्टि भी
जिसकी ब्रह्मा ने सृष्टि की ।
रच दिया तमोमाया का जाल
जिसमें जीवन उलझा बदहाल ॥
बसते मायावी लोग यहाँ
धरते प्रतिफल है रूप नया ।
कभी तो लगते वो अपने से
पल भर में हो जाते सपने से ॥

आकृति
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 5192

तू जिंदगी को जी

उसे समझने की कोशिश न कर
सुन्दर सपनों के ताने बाने बुन,
उसमें उलझने की कोशिश न कर
चलते वक्त के साथ तू भी चल,
उसमें सिमटने की कोशिश न कर
अपने हाथों को फैला, खुल कर साँसे लें,
अंदर ही अंदर घुटने की कोशिश न कर
मन में चल रहे युद्ध को विराम दे,
स्वामस्वाह खुद से लड़ने की कोशिश न कर,
कुछ बातें भगवान पर छोड़ दे,
सब कुछ खुद सुलझाने की कोशिश न कर
जो मिल गया उसी में खुश रह ,
जो सकून छीन ले वो पाने की कोशिश न कर
रास्ते की सुंदरता का लुत्फ उठा ,
मंजिल पर जल्दी पहुंचने की कोशिश न कर...

मेघना
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 5103

देश के वीर जवान

अपनी जान को देश की सीमाओं पे वो हंसते हंसते हैं गवाते,
वो हमारे भारत के वीर जवान हैं कहलाते,
होली हो या हो दीवाली,
वो हर त्यौहारों को अपने घरों से दूर है मनाते,
वो हमारे भारत के वीर जवान हैं कहलाते
हो कोई परिस्थितियां चाहे,
वो हर पल अपना हमारी सुरक्षा में हैं बिताते,
वो हमारे देश के वीर जवान हैं कहलाते
हमारे देश के वीर जवानों का हौसला देखना है तो
उनकी माताओं से पूछना कैसे उनके बेटे ने अपनी
माता से कह दिया, कि माँ इस देश का तिरंगा तो मेरी जान है,
उसमें लपेट के आना तो मेरी शान है,
ऐसे ही माताओं के बेटे तो मेरे देश के वीर जवान हैं कहलाते
जो अपनी मौत भी बड़े ही गर्व और निडरता से
अपना स्वाभिमान है बताते ।

सुरक्षा
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक 5128

माँ

माँ शब्द है छोटा काफी,
काम है जिसका देना माफी,
आँखों में ममता का सागर ।
भाग्यशाली हूँ ऐसी माँ को पाकर
माँ को पूजे सारे देव ।

मैं भी पूजूं उसे सदैव
आँखों में ममता का सागर,
माँ तो है अनमोल रत्न ।

प्राप्त करके लाख जतन
कैसे करूँ मैं उसका गुणगान

चेहरे पर है फूलों सी मुस्कान
जब भी गुझको प्यार से चूमें ।

खुश होकर मेरा मन झूमें
भाई से बढ़कर प्यार करे वो
बहन से ज्यादा दुलार करे वो ।

मेरी खुशी में है जो सुख
दूँ न कभी मैं उसको दुःख ।

दिक्षा
माइनर हिन्दी
अनुक्रमांक 8193



माँ की प्यारी सीखा

चेतन अपनी माँ के साथ एक बहुत अच्छे घर में रहता था । वह बहुत अच्छा लड़का था और सदा अपनी माँ का कहना मानता था । चेतन की माँ बहुत अच्छे पकवान बनाती थी । चेतन को पकवान खाना बहुत पसंद था । एक दिन चेतन की माँ ने बहुत बढ़िया कुकीज बनाकर एक बड़े जार में रख दी और फिर बाजार चली गई । बाजार जाने से पहले चेतन की माँ उसको कह गई थी कि अपना गृह - कार्य समाप्त करने के बाद वह कुकीज खा सकता है । चेतन बहुत खुश हुआ । उसने जल्दी से अपना गृह - कार्य समाप्त करके, अपनी माँ के लौटने से पहले ही कुकीज खानी चाही । इसलिए वह एक स्टूल पर चढ़ गया । फिर उसने जार के अन्दर हाथ डालकर ढेर सारी कुकीज निकालने की कोशिश की । पर जार का मुँह छोटा होने के कारण वह अपना हाथ बाहर नहीं निकाल पाया । उसी समय उसकी माँ बाजार से लौट आई । जब उसने चेतन को देखा तो वह हँसने लगी और अपने बेटे चेतन से कहा - "चेतन हाथ से ढेर सारी कुकीज छोड़कर केवल दो या तीन कुकीज हाथ में पकड़कर हाथ बाहर निकालो ।" माँ की बात मानकर जब उसने सिर्फ दो कुकीज हाथ में पकड़ी, तब वह आसानी से अपना हाथ बाहर निकाल सका । अब उसकी माँ ने प्यार से कहा, "ऐसा करने से तुमने क्या सीखा ?"

चेतन ने कहा - "मैंने सीखा है कि किसी भी चीज़ का लालच अच्छी बात नहीं है । हमें हर चीज़ उतनी ही लेनी चाहिए जिनती हमें जरूरत हो ।"

पूनम देवी
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 8106

बस एक कदम और

बस एक कदम और इस बार किजारा होगा
बस एक मजरा और इस बार इशारा होगा।
अम्बर के भीचे उस बदली के पीछे
कोई तो किजारा होगा।
इस अन्धकार से लड़ने को कोई तो किरण होगी।
बस एक घर और इस बार उजाला होगा।
बस एक कदम और इस बार किजारा होगा।
जो जन्म को भेदे वो कहीं तो तीर होगा।
इस तपती भूमि में कहीं तो बीरा होगा।
जो मौजिल तक पहुँचे वो कदम हमारा होगा।
बस एक कदम और इस बार किजारा होगा।
बस एक मजरा और इस बार इशारा होगा

हरिका शर्मा

कला स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक - 43



बस एक दास्तान

विदिया जब जीवित रहती है, तब बीटी खाती है।
विदिया जब मर जाती है, तब बीटियां उसे खाती हैं।
इस बात को हमेशा ध्यान में रखें,
समय और स्थिति कभी भी बदल सकती है।
यह किसी के रोके कभी न रुकी है,
घड़ी की सुई सजाव निरंतर चलती है।
तुम अगर शक्तिमान हो तो समय सर्वशक्तिमान है।
एक पेड़ से लाखों मादिस-तीली बने,
पर एक मादिस तीली से लाखों पेड़ जले।
इस दृष्टि में कोई भी स्थिति पूर्ण बरी,
कोयल को मोठा कंठ मिला पर रुप बरी,
रुप दिया मोर को पर इच्छा छीबी।
ईश्वर ने मिट्टी से मनुष्य की सृष्टि की,
उसकी हस्ती मिटाई, तब उसे मिट्टी मिली।
तो हे मनुष्य! आज दुःख तो कल सुख पाएगा,
वक्त रहे संभला बरी तो अंत में पछताएगा।

मोनिका

कला स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक - 70

शिक्षक

ज्ञान का दीपक वो जलाते हैं,
माता पिता के बाव वो आते हैं।
माता देती है हमको जीवन,
पिता करते हैं हमारी सुरक्षा।
लेकिन जो जीवन को सजाते हैं,
वही हमारे शिक्षक कहलाते हैं।
शिक्षक बिना न ज्ञान है,
शिक्षक बिना न मान है।
हमारा जीवन सफल बनाने हैं,
ज्ञान का दीपक वो जलाते हैं।
जीवन संघर्षों से लड़ना शिक्षक हमें बताते हैं।
सत्य म्याथ के पथ पे चलना शिक्षक हमें बताते हैं।

ज्ञान का दीपक वो जलाते हैं, मेधा देती
माता-पिता के बाव वो आते हैं। कला स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक - 45



प्रकृति का संदेश

चिड़िया से है उड़ना सीखा,
नितम्बी से इठलाना।
भवरों की गुंजन से सीखा,
राम मधुर गाना।
तेज सिया सूरज से हमने,
चाँद से शीतल छाना।
टिम-टिम करते तारों से,
हम समझ गए सख माया।
सागर ने सिखलाई हमको,
गहरी सोच की धारा।
गगनचुम्बी पर्वत से सीखा,
हो ऊँचा लक्ष्य हमारा।
समय की टिक-टिक ने समझाया,
सदा ही चलते रहना।
मुश्किल कितनी आन पड़े,
पर कभी न धीरज खोना।

प्रकृति को कण-कण में है,

सुंदर संदेश समझा।

ईश्वर ने इसके द्वारा ज्यों,

अपना रूप दिखाया।

मानसी

कला स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक - 47



सदाचार

सदाचारी रहे हो तुम
सदाचारी ही रहना
सच्चाई ईमानदारी दो बल हैं
इनका साथ कभी न छोड़ना तुम
रहना अपने पथ पर अडिग
सब साथ छोड़ दे, चलना अकेले पड़े
अपना रास्ता बनाना तुम
इस आपाधापी की दुनिया में
बेइमानी, लालच लसका देंगे तुम्हें
छोड़ इनको सदा सच पर चलना तुम
आत्मा का विश्वास और परमात्मा का साथ होगा
मंजिल पर पहुंचना तुम्हारा लक्ष्य होगा
कदम कदम चल कर मंजिल अपनी पाओगे
माया झूठ की नगरी को छोड़ अपना रास्ता बनाओगे तुम
तब इंसानियत की जय जय कार होगी
बेइमानी झूठ की पराजय होगी ।

अंजलि बेगम

बी. एस. सी. - द्वितीय वर्ष

❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀

एक कविता हर माँ के लिए

घुटनों से रेंगते-रेंगते,
कब पैरों पर खड़ा हुआ ।
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ा हुआ ।
काला टीका दूध मिलाई,
आज भी सब कुछ वैसा है।
मैं ही मैं हूँ हर जगह,
यह प्यार तेरा कैसा है।
सीधा-साधा भोला-भाला
मैं ही सबसे अच्छा हूँ ।
कितना भी हो जाऊँ बड़ा
“माँ!” मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ ।

प्रियंका

कला स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक - 50

जिन्दगी

आप रुठ जाओ
तो मेरी दुनिया अधूरी लगती है,
आप मुस्करा दो
तो हर दर्द भी मीठा लगता है,
नहीं खोना चाहते हम आपको
किसी भी हाल में,
क्योंकि आप साथ रहो
तो अधूरी सांसे भी पूरी लगती हैं।

पल्लवी

कला स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक - 48

❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀

भारत कभी ना झुके हमारा

काश मेरी जिंदगी में सरहद की कोई शाम आए,
काश मेरी जिंदगी मेरे वतन के काम आए ।
ना खौफ है मौत का ना आरजू जन्नत की,
बस जब जिक्र हो शहीदों का उसमें मेरा नाम आए ।
जब कोई पूछे मेरे बारे में तो ये मेरी पहचान लिख देना,
उठाना मेरा कंगड़ा टैगर छाती पर हिन्दुस्तान लिख देना ।
तन की महोबबत से खुद को तपाये बैठे हैं,
मरेंगे वतन के लिए सरा मौत से लगाए बैठे हैं।
मैं वतन की बातें सुनता थी,
मेरे पापा की जब सरहद पर चढ़ाई होती थी ।
जीत के लिए हर फौजी की लड़ाई होती थी,
पर सबका एक ही नारा

भारत कभी ना झुके हमारा ।

भारत कभी ना झुके हमारा ॥

आरती धीमान

वाणिज्य स्नातक - प्रथम वर्ष

अनुक्रमांक 3636

हिमनूर



संस्कृत
अनुभाग



सत्र : 2021-22



प्राध्यापक सम्पादिका -
डॉ. चंचल शर्मा

विषय सूची

क्र. स.	रचना	रचनाकार	पृष्ठ संख्या
1.	सम्पादकीय	डॉ चंचल शर्मा (प्राध्यापक सम्पादिका)	15
2.	संस्कृत भाषा	गौरव कौशल (छात्र सम्पादक)	16
3.	ज्ञान गंगा	महिमा देवी	16
4.	विद्या बढाति विनयम्	डॉ. चंचल शर्मा (प्राध्यापक सम्पादिका)	17
5.	शिक्षा:	आँचल	17
6.	प्रकृति:	कविता	18
7.	नीति श्लोकाः	मनजीत कौर	18
8.	अस्माकं गुरुवर्याः	शिखा शर्मा	18
9.	पर्यावरण	अकिता देवी	18
10.	श्लोकाः	सविता राणा	19
11.	संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्	पूजा	19
12.	सूक्तमः	नवनीत कौर	19
13.	सुभाषितानि	पल्लवी	20
14.	कानिचित् विचारणीयानि प्रश्नोत्तराणि	विजय कुमारी	20
15.	मूर्ख - मित्रम्	गौरव कौशल	20
16.	धन्य भारतवर्षम्	तनु	21
17.	पिता	नम्रता	21
18.	वाङ्मयं तपः	नम्रता	21
19.	सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्	प्रिया देवी	21
20.	मंत्र	अभिषेक चौधरी	22
21.	स्मृति सौरभम्	काजल ठाकुर	22
22.	वृक्ष	कविता देवी	22
23.	प्रयत्नों विधेयः	कविता देवी	22

सम्पादकीयम्



विद्यार्थिनः एव भविष्यस्य निर्मातारः भवन्ति । राष्ट्र-प्रासादस्य आधारः तेषां सबलेषु स्कन्धेषु एव न्यस्यते । प्राचीनकाले विद्यार्थिनः दूरस्थानेषु आश्रमेषु स्थित्वा पंचविंशति वर्षं पर्यन्तं गुरुचरणेषु विद्योयार्जनं कुर्वन्ति स्म । मातरं प्रति पितरं प्रति मातृन् प्रति गुरुजनान् प्रति तेषाम् मनसि सम्मानस्य भावना स्म ।

आधुनिकः विद्यार्थी जानाति यत् तस्य भविष्यं धूलिमयं वर्तते, अतः असौ अध्ययने मनः न नियोजयति । विद्यार्थी सुकोमलः किसलयः भवति, तस्मै किमपि रूपं दातुं शक्यते । परं यदा किसलयः शाखायाः रूपं धारयति, तदा तां रूपं दातुं न शक्यते । अतः यदि मानवः सुखदं भविष्यं कामयते तदा तेन विद्यार्थिजीवने सद्गुणाः अर्जितव्याः । अध्ययनं छात्राणां प्रथमं कर्त्तव्यं भवति । आदर्शः विद्यार्थी स एव भवति यः संयमं पालयति । भोजने, अध्ययने, क्रीडायाम् च तेन संयमः करणीयः ।

विद्यार्थिना अध्ययन काले सरलं जीवनं यापयितव्यम्, उच्चाः विचाराः च मनसि धारणीयाः, तत्कृते सदाचारस्य परिपालनं परम आवश्यकम्, परावलम्बी उन्नतिं कर्तुं न शक्नोति । तेन राजनीतेः दूरे स्थातव्यम् । समाजं प्रति तस्य कर्त्तव्यानि सन्ति, तानि प्रति तेन सावधानेन भवितव्यम् ।

अद्यत्वे छात्राणां चारित्रिकं पतनं निरीक्ष्य मनः अत्यधिकं दूयते । तेषां मनसि न तु मातरं-पितरं च प्रति आदरः अस्ति, न एव च गुरुजनान् प्रति सम्मानस्य भावना । अनुशासनहीनता तेषु बद्धमूला तिष्ठति । अतः आवश्यकं अस्ति यत् विद्यार्थी अध्ययनकाले सद्गुणानाम् उपार्जनं कुर्यात् । तथैव देशस्य, समाजस्य कल्याणं भवितुं शक्नोति । अध्ययनकाले विद्यार्थिनः सुखानां परित्यागः करणीयः भवति । सुखाभिलाषी विद्यार्थी विद्यायां प्रवीणतां प्राप्तुं न शक्नोति । परिश्रमी, गुरुजनोपसेवी विद्यार्थी ज्ञानस्य अर्जनं सुखेन कुरुते । अतः एव उक्तं अस्ति

सुखार्थी चेत् त्यजेत् विद्याम्, विद्यार्थी चेत् त्यजेत् सुखं ।

सुखार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतः सुखम् ॥

‘हिमनूर’ नामन्यां पत्रिकायां संस्कृत विभागोऽयम् छात्राणां समक्षं प्रस्तूयते ।

अपारहर्षस्य विषयोऽयम् यत् अस्य विभागस्य सुसम्पन्नतायै, संस्कृत प्रति रूचि प्रदर्शनाय च छात्र-छात्राभिः महान् सहयोगः साहाय्यं काले-काले प्रदीयते ।

डॉ. चंचल शर्मा
प्रवक्ता संस्कृत विभाग

संस्कृत भाषा

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति: । सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृत भाषायामेव सन्ति ।

प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीया संस्कृतभाषायां एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्म ।

कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयः भाषाः प्रचलिताः अभवन् । किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते ।

संस्कृत भाषैव भारतस्य प्राणभूता भाषा अस्ति।

संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति । संस्कृत भाषायाः यत्स्वरूपम् अद्य प्राप्यते तदेव अद्यतः सहस्रवर्ष पूर्वम् आसीत् ।

संस्कृतभाषा स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिकः अस्ति । अधुना सङ्गणकस्य कृते संस्कृत भाषा

अपि उपयुक्तः अस्ति ।

गौरव कौशल

छात्र सम्पादक

कला स्नातक (तृतीय वर्ष)

अनुक्रमांक - 5607

ज्ञान गंगा

1. नाऽसाध्यं मृदुना किञ्चित् ।

अनुवाद :- ऐसा कोई काम नहीं जो मृदु स्वभाव के व्यक्ति से सिद्ध न हो जाता हो ।

2. चिन्ताज्वरो मनुष्याणां क्षुधां निद्रां बलं हरेत् ।

अनुवाद :- चिन्तारूपी ज्वर मनुष्य की भूख, निद्रा एवं बल इन सब को हर लेता है।

3. न तं कर्म कृतं साधु, यं कृत्वा अनुतप्यति ।

अनुवाद :- वह काम करना ठीक नहीं, जिसे करके बाद में पछताना पड़े ।

4. अपमानं पुरस्कृत्य मानं कृत्वा च पृष्ठतः ।

स्वकार्यमुद्धरेत् प्राज्ञ कार्यध्वसे च मूर्खता ॥

अनुवाद :- अपमान का स्वागत कर और सम्मान की परवाह न करते हुए बुद्धिमान को अपना कार्य सिद्ध कर लेना चाहिए, कार्य का बिगड़ना ही मूर्खता है।

5. किमात्मानो दोषं लोको विजानाति ।

अनुवाद :- क्या साधारण लोग अपना दोष समझ पाते हैं?

महिमा देवी

कला स्नातक (तृतीय वर्ष)

अनुक्रमांक 5755

[विद्या ददाति विजयम्]

विद्यायैव मानवः स्वीयं कर्तव्यं सम्यग् प्रकारेण जानाति योनः कार्येण वाभ्यो वा हानिः भविष्यति । अन्ययैव मानवः सन्मार्गोन्मत्तं करोति ।

विद्यायैव मानवो मानवोऽस्ति यो मनुष्यः विद्याविहीनोऽस्ति कर्त्तव्यकर्त्तव्यस्याज्ञानात् पशुवदभ्यस्यति । अतः स पशुस्त्वभिधीयते । अतः एव कथितम् यत् विद्याविहीनः पशुः ।

विद्यावान् मानवः सर्वधिः सर्वमार्गार्थः भवति, सर्वत्र तस्य पूजा भवति पर्येषो अपि स स्वजनसमम् इव निवसति । न तेन समो अन्यः कश्चित्पि भवति । अतः उच्यते -

विद्वत्त्वं च युगत्वं नैव तुल्यं कदापन ।

स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ॥

यदि वाभ्यं विद्याज्योतिरस्मिन् संसारे न भवेत् तर्हि जगद्विगम्यमानम् अन्धकारमनुत् भवेत् विद्यायाः जगत् पञ्चमे तत्त्वं तद्वलितं सम्भवताश्नते ।

यथा धोवतम् -

इदमन्धतमः पतुत्वं जायेत भुवनवम् ।

यदि ज्ञानाह्वयं ज्योतिरसंसारं न दीप्यते ॥

विद्याबलेनैव महर्षयः महाकवयश्च जगत्त्वं प्राप्नुवन्ति । अतः एवोक्तम् - 'विद्यायाऽमृतमनुते ।

विद्या एकः प्रदीपोऽस्ति । यदा मानवः जायतेतः समस्यप्राज्ञेन मोक्षतर्गसिनिमिज्जतो भवति तदा विद्या प्रदीप इव कमपि सरलमार्गे प्रदीपयति । तथा च धनान्धकारेणैव दीपवर्जनम् ।

अतुल्यमूल्यस्य प्राप्तिस्तद्विधानमपि विरोधः । विद्या विनयं ददाति, विनयेन मानवः पात्रतां याति, पात्रत्वात् धनमाप्नोति -

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम् ।

पात्रत्वाद् धनमाप्नोति धनान् धर्मः ततः सुखम् ॥

एतदपि ध्यातव्यं यत् या विद्या क्रियान्विता न भवति सा खलु, अनर्थकारिण कल्पते । क्रियान्विता हि विद्या फलवती न खलु तद्विरहिता । यः क्रियवान् सदाचारः सम्पन्नः स एव विद्वान् कथ्यते । विद्यावान् कर्महीनो नरः मूलं निमसते । यथा -

विद्यामयीत्यापि भवन्ति मूर्खः ।

यस्तु क्रियवान् पुरुषः स विद्यावान् ।

डॉ. रंजित शर्मा
प्राध्यापक संस्कृत

[शिक्षाः]

सदा प्रातः उत्तिष्ठ । उत्थाय नित्यं - प्रति शीघ्रं दन्ताधवनम् स्नानं ध्यानं च कुरु । प्रतिदिनम् प्रातः सात - पितरोऽप्यं मुक्त्वा बुद्धं जनान् च नमस्कारं कुरु । लग्नोत्तरेण बालकोषु स्नेहं कुरु । विद्यालयम् गच्छ । विद्या पठ । स्वच्छन् लिख, सत्यम् वद कठोरतम् मा वद ।

धर्मस्य पालनम् कुरु । असहायताम् सहायताम् कुरु । दुर्बलान् रक्ष । परोपकारम् कुरु । पुरुषार्थं कुरु । स्वाध्यायं कुरु । मान्यान् मानय । आलस्यम् मा कुरु । असज्जानानाम् संगं मा कुरु । सज्जानानाम् संगमम् कुरु । अनुत्तमं मा वद । सेवां शुभानि कदापि एव कुरु ।

अंधाल

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुसूचक - 5603

प्रकृति:

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
बहूनाम् अपि फलानाम्
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्
पुष्पाणाम् चापि मातेयम् ।
भ्रमराणां, पशूनां, पक्षिणां च मातास्ति
जनेभ्यः जीवनं सदा ददाति प्रकृति माता ॥
अस्ति सा तु मनोहरी
मातृणाम् अपि मातास्ति
प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
नमोऽस्तु ते मात्रे प्रकृत्यै ॥

कविता

कला स्नातक - द्वितीय वर्ष

नीति श्लोकाः

अक्रोधेन जयेत क्रोधमसाधु साधुना जयेत् ।
जयेत् कदयं दानेन जयेत् सत्येन चानृतम् ॥
अनाहूतः प्रविशति अपृष्टो बहु भाषते ।
अविश्वस्ते विश्वसिति मूढचेता नराधमः ॥
दुर्जनः परिहर्तव्यो विद्ययालङ्घ्यो कृतोऽपि सन् ।
मणिना भूषितः सूर्यः किमसौ न भयङ्कर ॥
परोक्षे कार्यहन्तार प्रत्यक्षे प्रियावादिनम् ।
वर्जयेतादृश मित्र विषकुम्भ पयोमुखम् ॥
षडदोषाः पुरुषेणेत्यक्तव्या भूतिमिच्छता ।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥

मनजीत कौर

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक 5610

अस्माकं गुरुवर्याः

जीवनस्य सर्वेषु क्षेत्रेषु गुरोः आवश्यकता अस्ति । अज्ञानेन आवृते नेत्रे गुरुः ज्ञानशलाकया उद्घाटयति । यद्यपि ग्रन्थाः गुरुवः इव ज्ञानं वितरन्ति तथापि ग्रन्थेभ्यः जातं ज्ञानं निःसन्दिग्धं न भवति । एतादृशेन ज्ञानेन आत्मविश्वासः न जायते । गुरुमुखाद् आगता विद्या निःसन्दिग्धा आत्मविश्वासकरी च सम्पद्यते । अध्यात्म शास्त्रे तु गुरोः माहात्म्यं देवस्य माहात्म्याद् अपि अधिकम् उक्तम् । व्यवहारे अपि गुरोः ऋणस्य अपाकरणं कथम् अपि न शक्यं यतः अत्रेण क्षणिका तृप्तिः भवति परं विद्यया आजीवनं तृप्तिः न भवति । अतः वयं प्रतिदिनं गुरोः महिमानं गायामः -

गुरुः ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।

गुरुः साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

शिखा शर्मा

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक 8126

पर्यावरण

वयं वायुजलमृदाभिः आवृते वातावरणे निवसामः । एतदेव वातावरणं पर्यावरणं कथ्यते । पर्यावरणेनैव वयं जीवनोपयोगि वस्तुनि प्राप्यामः । जलं वायुः च जीवने महत्वपूर्णौ स्तः । साम्प्रतं शुद्ध-पेय-जलस्य समस्या वर्तते अधुना वायुरपि शुद्धं नास्ति । एवमेव प्रदूषित पर्यावरणेन विविधा रोगाः जायन्ते । पर्यावरणस्य रक्षायाः अति आवश्यकता वर्तते । प्रदूषणस्य अनेकानि कारणानि सन्ति । औद्योगिकापशिष्ट-पदार्थ-उच्च-ध्वनि-यानधूमादयः प्रमुखानि कारणानि सन्ति । पर्यावरण रक्षायै वृक्षाः रोपणीयाः । वयं नदीषु तडागेषु च दूषितं जलं न पिबेम । तैल रहित वाहनानां प्रयोगः करणीयः । जनाः तरूणां रोपणम् अभिरक्षणं च कुर्युः ।

अंकिता देवी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 8105

श्लोकाः

यदा - यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

अभ्युत्थानम् अधर्मस्य तदात्मानम् सृजाम्यहम् ॥

परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम् ।

धर्मं संस्थापनार्थाय संभवामि युगे - युगे ।

अर्थ :- श्री कृष्ण जी अर्जुन से कहते हैं कि हे अर्जुन ! जब - जब पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है। तब मैं धर्म के उत्थान के लिए पृथ्वी अवतरित होता हूँ । सज्जन लोगों की रक्षा के लिए दृष्ट लोगों के विनाश के लिए तथा धर्म की स्थापना के लिए मैं हर युग में जन्म लेता हूँ ।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग भवेत् ।

अर्थ :- सभी सुखी हों, सभी नीरोगी हों, सभी कल्याण देखें, कोई भी दुःख को प्राप्त करने वाला न हो ।

संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्

संस्कृत हि सर्वासां भाषाणां जननी अस्ति ।

इयं भाषा सर्व भाषासु प्राचीनतमा अस्ति ।

अस्या वेदज्ञानं वर्तते । वाल्मीकि मुनिना रामायणं नाम काव्यम् ।

संस्कृते एव लिखितम् । महाभारतम् अपि संस्कृत काव्यम् अस्ति ।

प्राचीनकाले सर्वेजनाः संस्कृत भाषायामेव वदन्ति स्म ।

देशस्य एकतायै विश्वस्य शान्त्यै संस्कृतस्य महद् योगदानं

भवितुं शक्नोति प्राचीन साहित्य पठितुं संस्कृतस्य अध्ययनम्

आवश्यकम् । संस्कृतस्य व्याकरणं सुव्यस्थितं वैज्ञानिकं च अस्ति ।

अस्य शब्द रचना शक्तिः अपि अद्भुता वर्तते ।

पूजा

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5614

सुभाषितानि

पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नम् सुभाषितम् ।

मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते ॥

सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रविः ।

सत्येन वाति वायुश्च सर्व सत्ये प्रतिष्ठितम् ॥

दाने तपसि शौर्ये च विज्ञाने विनये नये ।

विस्मयो न हि कर्तव्यो बहुरत्ना बसुन्धरा ॥

सूक्तयः

- 1) आचार परमो धर्मः
सदाचार सर्वश्रेष्ठ धर्म है।
- 2) नानृतात्पातक महत्
झूठ से बढ़कर कोई पाप नहीं ।
- 3) नवा वाणी मुखे - मुखे ।
पांचो अंगुलियां बराबर नहीं होती ।
- 4) कालस्य कुटिला गति
काल की गति टेढ़ी है।
- 5) कः परः प्रियवादि ।
प्रिय बोलने के लिए कोई बुरा नहीं कहता ।
- 6) लोभ नाशस्य कारणम्
लोभ नाश का कारण है।
- 7) स्वभावो मूर्ध्नि वर्तते ।
स्वभाव सबसे ऊपर होता है।
- 8) संशयात्मा विनश्यति ।
सदेह करने वाले सदा नष्ट हो जाते हैं।

नवनीत कौर

कला स्नातक - द्वितीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5101

सुभाषितानि

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्यो महान् रिपुः ।
नास्त्युधमसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति ॥
मनुष्यों के शरीर में रहने वाला आलस्य ही उनका सबसे बड़ा शत्रु होता है। परिश्रम जैसा दूसरा (हमारा) कोई अन्य मित्र नहीं होता है।

न ही कश्चित् विजानाति किं कस्य श्रो भविष्यति ।
अतः श्वः करणीयानि कुर्यादधैव बुद्धिमान् ॥
कल क्या होगा यह कोई नहीं जानता है। इसलिए कल के करने योग्य कार्य को आज कर लेने वाला ही बुद्धिमान है।

आद यतो वापि दरिद्रो वा दुःखित सुखितोऽपि वा ।
निर्दोषश्च सदोषश्च व्यस्यः परमा गति ॥
चाहे धनी हो या निर्धन, दुःखी हो या सुखी, निर्दोष हो या सदोष, मित्र ही मनुष्य का सबसे बड़ा सहारा होता है।

गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति, ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः ।
सुस्वादुतोषाः प्रभवन्ति नद्यः, समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः ॥
गुण, गुणी व्यक्ति के पास रहते हैं तो गुण ही होते हैं। वे गुण निर्गुण व्यक्ति के पास जाकर दोष बन जाते हैं। जैसे नदियाँ स्वादिष्ट जल से युक्त निकलती हैं, परन्तु समुद्र में जाकर वे पीने योग्य नहीं रहती हैं।

पल्लवी
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 8179

कानिचित् विचारणीयानि प्रश्नोत्तराणि

1. बन्धनः कोऽस्ति ? - विषयासक्तिः ।
2. किं निधनम् ? - अपयशः अपकीर्तिश्च ।
3. मुक्तिः का ? - विषयेभ्यः वैराग्यम् ।
4. प्राणिनाम् रोगः कः ? - चिन्ता ।
5. मित्रम् किम् ? - विद्या ।
6. भूषणेषु उत्तमं भूषणं किम् ? - सच्चरितम् ।
7. को धन्यः ? - परोपकारी
8. को पूतः ? - यस्य मनः पवित्रम् अस्ति

हसन्तु - हसन्तु

- 1) पिता (पुत्रं प्रति) - जीवने गृत्पोश्च को भेदोऽस्ति ?
पुत्र - यः क्रीडने पाठशालागमने चास्ति ।
- 2) अध्यापकः - नृपः रामः कदा राज्यम् अकरोत् ?
छात्रः - रामेण मम इतिहास - पुस्तके चतुर्थ पाठे षोडश पृष्ठेषु यावत् राज्यं कृतम् ।
- 3) प्रेमिका (पत्नीं प्रति) - ज्ञानं बिना जीवनं निष्फलम् ।
पत्नी (पतिं प्रति) - न, न विवाहं बिना जीवनं निष्फलम् ।
- 4) प्रेमिका (प्रेमीं प्रति) प्रिय! अहं तव कविता ।
पत्नी (पतिं प्रति) प्रिय! अहं तव गजलम् ।
बालकः (पितरं प्रति) पितः! अहं तव आटीकलम् ।

विजय कुमारी
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक - 5611

मूर्ख-मित्रम्

एकस्मिन् नगरे एकः नृपः राज्यं करोति स्म । सः एकं वानरं अपालयत् । तेन वानरेण सह तस्य नृपस्य मैत्री संजाता । वानरः नृपस्य अतिनिष्ठया सेवां अकरोत् । एकदा नृपोऽपि तं वानरं निजपाशे एव अस्थापयत् ।

एकदा नृपः सुप्तः आसीत् । तदा सः वानरः व्यजनेन तम् अजीयत् । तस्मिन् काले एका मीधका नृपस्य नासिकायाम् उपाविशत् । वानरः वारं-वारं तां मीधकां व्यजनेन निवारयति स्म । तथापि सा मीधका पुनः-पुनः आगत्य तत्रैव अतिष्ठत् । तेन सः वानरः क्रुद्धः अभवत् । तां मीधकां हन्तुं सः स्वहस्तेन प्रहारम् अकरोत् । मीधका तु उड्डीय दूरम् अगच्छत् । किन्तु वानरस्य प्रहारेण नृपस्य नासिका छिन्ना अभवत् ।

अतः मूर्खं जनेन सह मित्रता नोचिता ।

गौरव कौशल
कला स्नातक - तृतीय वर्ष
अनुक्रमांक 5607

धन्य भारतवर्षम्

धन्यं भारतवर्षं धन्यम् ।

पुण्यं भारतवर्षं पुण्यम् ॥

यस्य संस्कृतिः तोषदायिनी,

पापनाशिनी पुण्यवाहिनी ।

यत्र पुण्यदा गङ्गा याति

सिन्धु - नर्मदा सदा विभाति ।

सरस्वती च धन्या - धन्या

यमुना कृष्णा मान्या मान्या ।

शृणुमो यत्र च वेद पुण्यम् ॥

धन्यं भारतवर्षं धन्यम्,

पुण्यं भारतवर्षं पुण्यम् ॥

यत्र पर्वताः रम्याः रम्याः,

ऋषयो मुनयो धन्याः धन्याः ।

कौलासश्च हिमराजश्च,

विन्ध्य - सतपुत्र - हिमाद्रिश्च ।

अरावली पर्वतमाला च,

स्वर्ण - सुमेरु - हर्षकरश्च ।

पुण्य - पर्वतैः पुण्यं पुण्यम् ॥

धन्यं भारतवर्षं धन्यम्,

पुण्यं भारतवर्षं पुण्यम् ॥

तनु

कला स्नातक - द्वितीय वर्ष

वाङ्मयं तपः

शारदा शरदाम्भोजवदनां वदनाम्बुजे ।

सर्वदा सर्वदाऽस्माकं सन्निधिं सांनर्नाध क्रियात् ॥

अर्थात् :- शरद ऋतु के कमलों के समान मुखवाली सरस्वती - विद्या हमेशा हमारे मुख कमल में श्रेष्ठ कोश बनकर निवास करे।

नास्ति विद्यासमं चक्षुः नास्ति सत्यसमं तपः ।

नास्ति रागसमं दुःख नास्ति त्यागसमं सुखम् ॥

अर्थात् :- विद्या के समान दूसरी आँख नहीं है। सत्य के समान कोई तपस्या नहीं है। आसक्ति के समान कोई दुःख नहीं है। त्याग दान के समान कोई सुख नहीं है।

नम्रता

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 8156

पिता

पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता हि परमं तपः ।

पितरि प्रीतीमापन्ने प्रीयन्ते सर्वदेवताः ॥

पितरौ यस्य तृप्यन्ति सेवया च गुणेन च ।

तस्य भागीरथी स्नानं महान्यहनि वर्तते ॥

सर्वतीर्थमयी माता सर्वदेवगणः पिता ।

मातरं पितरं तस्मात् सर्वपत्नेन पूजयेत् ॥

मातरं पितरं भ्रेयं यस्तु कुर्यात् प्रदक्षिणम् ।

प्रदक्षिणीकृता तेन सप्तदीपा यमुनाया ॥

हिन्दी :- कहा गया है कि पिता धर्म है, पिता स्वर्ग है और पिता ही सबसे श्रेष्ठ तप है। पिता को प्रसन्न हो जाने पर सम्पूर्ण देवता प्रसन्न हो जाते हैं। जिसकी सेवा और सवगुणों से पिता - माता संतुष्ट रहते हैं। उस पुत्र को प्रतिदिन गंगा - स्नान का पुण्य मिलता है। माता सर्वतीर्थमयी है पिता सम्पूर्ण देवताओं का स्वरूप है। इसलिए सब प्रकार से माता - पिता का पूजन करना चाहिए। माता - पिता की परिक्रमा करने से पृथ्वी की परिक्रमा हो जाती है।

नम्रता

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 8156

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः लभते इह सम्मानम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः करोति देशानाम् निर्माणम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यस्य छायायाः प्राप्तम् ज्ञानम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यः रचयति चरित्रं जनानाम्

'गुरु' अस्ति अस्य पदस्य नाम

सर्वेषाम् गुरुणाम् मगं शतं शतं प्रणामम् ।

प्रिया देवी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5161

मंत्र

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो
देवस्य धीमहि धियो यो न प्रचोदयात् !

ॐ - सर्व रक्षक परमात्मा
भू - प्राणों के प्रिय
भुवः - दुःख विनाशक
स्वः - उस
तत् - उत्पादक
सवितुर्वरेण्यं - करने योग्य
भर्गः - शुद्ध ज्ञान स्वरूप
देवस्य - देव का
धीमहि - हम ध्यान करें
धियोः - बुद्धि को
यः - जो
नः - हमारी
प्रचोदयात् - शुभ कार्यों में प्रेरित करें ।

भावार्थ :- उस प्राण प्रिय दुःख विनाशक सुख स्वरूप श्रेष्ठ
तेजस्वी, पापनाशक, देवस्वरूप परमात्मा को हम अन्तर
आत्मा में धारण करें । वह परमात्मा हमारी बुद्धि को सन्मार्ग
में प्रेरित करे ।

अभिषेक चौधरी

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 5112

वृक्ष

वृक्षाः मनुष्यस्य जीवने अति महत्वपूर्णाः सन्ति ।
वृक्षा अति लाभदायक सन्ति ।
वृक्षस्य स्वभावः सज्जन व्यक्ति इव अस्ति ।
वृक्षः अस्माकम् वातावरणम् शुद्धम् करोति ।
वृक्षः अस्माकम् बहूनि वस्तूनि ददाति यथा फल, छाया आदि ।
वृक्षः अस्माकम् उपरि बहवः उपकारम् करोति ।
वृक्षाः बहवः रोगाणाम् उपचारम् कुर्वन्ति ।
वृक्षाः अस्मभ्यम् अतिमूल्यवान् सन्ति ।

कविता देवी

कला स्नातक तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक 6120

स्मृति सौरभम्

आनन्दगङ्गा वहतीव यत्र
सौन्दर्यसिन्धो सारतीव यत्र ।
बन्धुत्व सिन्धुधलतीव यत्र
संस्कारशुद्धोऽस्ति स यो विभागः ।
वितोक्ष्य विद्यां प्रति कर्मनिष्ठां
चेष्टां च सर्वा निजनेत्रकान्तया ।
जातं हि चित्तं सुखमण्डितं मे
विद्या यतो मे जनजीव जीर्णा ।
शुभा सुचित्रा सरला सुभद्रा
विभागदायित्वनगधिरूढा ।
बन्धुत्व विद्याविषये प्रवीणा ।
तां भारती स्नेहवतीं स्मरामि ।
या माधवी माधवभावसिक्ता
सदानुरक्ताऽध्ययनेऽतिशान्ता ।
विद्योतते या प्रतिभेव साक्षात् ।

काजल ठाकुर

कला स्नातक - तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक - 8138

प्रयत्नो विधेयः

प्रयत्नेन कार्ये सुसिद्धिर्जनानाम्
प्रयत्नेन सदबुद्धिर्बुद्धिर्जनानाम् ।
प्रयत्नेन युद्धं जयः स्याज्जनानाम्
प्रयतो विधेयः प्रयत्नो विधेयः ॥
प्रयत्नेन धीराः समुद्रं तन्ति
प्रयत्नो वीराः गिरीन् लङ्घयन्ति ।
प्रयत्नेन विज्ञाः विपत्त्युपन्ति
प्रयत्नो विधेयः प्रयत्नो विधेयः ॥
कठोरः प्रयत्नान्मुदत्य प्रयाति
प्रयत्नादसाध्यं भवत्येष साध्यम् ।
प्रयत्नादयोग्याः सुयोग्या भवन्ति
प्रयत्नो विधेयः प्रयत्नो विधेयः ॥
प्रयत्नेन मुक्तिं श्रिताः भारतीयाः
प्रयत्नेन ऋद्धिं गताः भारतीयाः ।
प्रयत्नेन विश्वप्रियाः भारतीयाः
प्रयत्नेन विधेयः प्रयत्नो विधेयः ॥

कविता देवी

कला स्नातक तृतीय वर्ष

अनुक्रमांक 6120

HIMNOOR



English Section



Session- 2021-22



*Editor of English Section :-
Asso. Prof. Seema Ohri*

Content

S.No.	Article	Name of Writer	Page No.
1.	From the Editor's Pen	Seema Ohri Asso. Prof. in English	25
2.	My Feelings About Teachers	Roshni Ansari	26
3.	Corona Virus (COVID-19)	Priya	26
4.	Changing Times	Antriksh Ambia	27
5.	Pull Your Troubles	Komal	27
6.	Three Golden Rules	Roshni Ansari	27
7.	Stop Smoking	Rama	28
8.	Don't Quit	Dipanshi	28
9.	7 Rules of Life	Shimpy	28
10.	My Mother	Samar	29
11.	Love Yourself As You Are	Kamini Dhiman	29
12.	Social Issues	Preeti Thakur	29
13.	Start Where You Stand	Meena	30
14.	Trees Like Heaven	Payal Pathania	30
15.	Stop Trying, Be Willing	Deepika	30
16.	Rain	Priyanka Katoch	30
17.	Article on Health & Fitness	Sahil Verma	31
18.	The Power of Prayer	Angel	31
19.	Nature : A Great Teacher	Kiran	31
20.	Soldier	Riya	32
21.	Need of Aim in Life	Amisha Choudhary	32
22.	The Lesson	Anamika	32
23.	Confidence	Komal	32
24.	Self Confidence	Tanya	33
25.	Happiness	Milan Pathania	33
26.	Life & Death	Sunaina Katoch	34
27.	Building of a Good Character	Priyanka	34

From The Editor's Pen

Dear Students,



I have got an opportunity to talk to you through this message.

I know all of you must be busy in your studies working hard and striving to reach at the top. All of you must also be busy in making plans for the future.

But I must tell you one thing. We do not have any powers on future as future is beyond our limits. At the same time we can not execute any power on whatever happened in the past. Hence it is sheer waste of time in pining and repenting on whatever we did in the past. Present is the only time at our disposal and it is also the only time which if we spend well may lead to a golden future. Life is very unpredictable but still one thing is for sure. Our efforts never go waste. They definitely reap their results sooner or later. If we spend our present well we don't have to repent in future and even our past would also be something pleasant to remember. So whatever efforts you want to put in your life, present is the only time; it is the soil on which you can reap the crop of success, Someone has rightly put it.

Happy the man and happy

he alone

He who can call today

his own

He who secure within can

say

Seema Ohri

Asso. Prof. in English
Editor (English Section)

My Feelings About Teachers

A teacher is the most precious gift of God to humanity. Teachers are like a candle that burns itself and gives light of knowledge to all. A teacher can make a child the best "Human being". God is great but teacher is greater than God. As it is the teacher who shows the path of Godliness. There are two sources in the world from where we can get knowledge. Teachers and parents and the grace of both takes a man to the pinnacle of glory.

A teacher helps us to learn from yesterday live for today and hope for tomorrow. Teacher is a golden gift by God to the students.

They make our future shine like stars. Teacher guide us as mother guides her children. Teacher student relation is like a gardener and his trees, who waters and cares till their roots spread and grow in flowering trees.

Roshni Ansari
B.A. - 2nd Year
Roll No. 4614

Corona Virus (COVID-19)

Introduction :- Corona Virus which is commonly called as COVID-19 is an infectious disease. This is a new virus and its spread ratio is very fast. COVID-19 was first identified on December 2019 in Wuhan city of China. But now, this virus has spread to almost all countries of the world. In March 2020, the World Health Organization (WHO) declared the COVID-19 outbreak a Pandemic.

Symptoms :- The most common symptoms of corona virus are fever, cough and shortness of breath. Some patients may have aches and pains, nasal congestion, runny nose and sore throat. Most people recover from the disease without needing special treatment. Older people and those with underlying medical problems or diabetes are more likely to develop serious illness.

How does COVID-19 Spread :- COVID-19 spreads mainly by droplets produced as a result of coughing or sneezing of a COVID-19 infected person.

Prevention of COVID-19 :-

1. Wear Mask
2. Practice Good Hygiene
3. Wash hands regularly and carefully with soap or sanitizer.
4. Maintain a safe distance from anyone who is coughing or sneezing.
5. Get a COVID-19 vaccine when it is available to you.
6. Stay home as much as possible.

Conclusion :- It is a time to learn from and a time to reflect and think forward from. Be well, Be strong, Be safe, Be Positive and as always take care of yourself and each other.

Priya
B.A. 1st Year
Roll No. 043

Changing Times

Come gather round people, wherever you roam and admit that the waters around you have grown. And accept it that soon you'll be drenched to the bone, if the time to you is worth saving, and you better start swimming rather you'll sink like a stone.

For the times they are changing.

Come writers and critics, who prophesize with the fun,
and keep your eyes wide open, the change is here again,
and don't speak too soon, the wheel is still in spin.

Come senators, congressmen, please heed the call,
don't stand in the doorway, don't block up the hall.

For he that get's hurt, will be he who has stalled.

The battle outside raging will soon shake your windows and rattle your walls.

For the times they are changing.

The line it is drawn, the curse it is cast.

The slow one now, will later be fast.

As the present now, will later be past.

The older is rapidly fading and the first one
now will later be last.

For the times they are changing.



Antriksh Ambia
B.A. 2nd Year
Roll No. 4610

Pull Your Troubles

At night before you sleep, my dears,

You must reach deep inside and pull
your troubles out your ears wherein they
like to hide.

A trouble is the kid of thing,

It's very often true,

That bothers you more than the soul
who passed it on to you.

Komal
B.A. 2nd Year
Roll No. 4607

Three Golden Rules

Control the three - Tongue, Habit & Anger

Pay respect to these three - Mother, Father & Guru

Remember three in difficulty - God, Friend & Death

Man cannot live without three - Air, Water & Fire

Do not wait three - Time, Death & Life

Three meet us only once in Life - Parents, Beauty & Youth

Fight for three - Freedom, Justice & Honesty

Die for three - Religion, Country & Friend

Try to avoid three - Bad Company, Selfishness & Sleep

Roshni Ansari
B.A. 2nd Year
Roll No. 4614

Stop Smoking

It's not a secret,
Smoking is a deadly habit,
Whether you like it or not,
It has already killed a lot.

Toxins get in,
Never to come out,
Your lungs, if they could,
Would scream and shout.



It's dangerous to your health,
A leading cause of lung cancer death.
My dear friend, stop smoking now,
For doing it, you'll deserve a "wow".

It's more than a habit,
It's an addiction.
These are all facts,
I'm not speaking fiction.



Your body will rot,
Inside and out,
Nasty things will happen,
As you'll soon find out.

So pay attention to the warnings,
And listen to what I say.
Stop Smoking now,
Because you won't have any other day.

Rama
B.A. 3rd Year
Roll No. 044

Don't Quit

When things go wrong as they sometimes will,
When the road you are trudging seems all up hill,
When the funds are low and the debts are high
And you want to smile, but you have to sigh,
When care is pressing you down a bit,
Rest if you must, but don't you quit.

Life is strange with its twists and turns
As everyone of us sometimes learns
And many a failure comes about
When he might have won had he struck it out;
Don't give up through the pace seems slow,
For may succeed with another blow.

Success is failure turned inside out.....

The silver tint of the clouds of doubt,
And you never can tell just how close you are,
It may be near when it seems so far;
So stick to fight when you are hardest hit -
It's when things seem worst than you must not quit.

For all the sad words of tongue or pen.

The saddest are these : "It might have been !"

~~~~~ Dipanshi

## 7 Rules of Life

B.A. 1st Year

1. Make peace with your past so it won't screw up the present.
2. What others think of you is none of your business.
3. Time heals almost everything, give it time.
4. Don't compare your life to others and don't judge them.  
You have no idea what their journey is all about.
5. Stop thinking too much, it's alright not to know the answers.  
They will come to you when you least expect it.
6. No one is in charge of your happiness, except you.
7. Smile, You don't own all the problems in the world.

**Shimpy**  
B.A. 2nd Year  
Roll No. 4622

## My Mother

My mother is a great person who cares for me, protect me from all my problems. She will always care about my health and food. She fills the gap in the life and without her life seems meaningless. The place of a mother is irreplaceable in my life and her contribution are immeasurable. My mother is like an angel on the human form for me. Even when my mother is under a lot of pain, she doesn't let any one in the family know so quickly about it. At last I want to say that my life without my mother is impossible.

Please don't use the sharpness of your tongue on the mother who taught you to speak.

**Samar**  
B.A. 1st Year  
Roll No.-21GEO019

## Love Yourself As You Are

You are not too fat or too skinny. You are not too old or too wrinkly. Your nose isn't too big and your body figure is not so bad. You are not ugly or stupid. This body of yours no matter what shape or size has carried you around your whole life. It's taken you places, enabled you to explore the world. Picked you up when you've fallen down. Fought through colds and flu, broken bones and broken hearts. Even though you put it down it keeps on going. Keeps on working to the best it can. Through the good and the bad your heart has kept beating. It will take you through to the very end. What a wonderful clever thing it is.

What a brilliant beautiful person you are .....

Love yourself as you are .....

**Kamini Dhiman**  
B.A. 3rd Year  
English Major

## Social Issues

Social issues is an undesirable state which appears society or a certain part of society. It refers to an unwanted situation that frequently results in problems and continues to harm society. Social issues can cause a lot of problems that can be beyond the control of just one person. Through an essay on social issues, we will learn why they are harmful and what type of social issues we face. Social issues have our society. They are situations that have an adverse and damaging result on our society. They arise when the public leaves nature or society from an ideal situation.

Social issues have a massive lousy effect on our society and ultimately, it affects all of us. In order to solve some social issues, we need a common approach.

No society is free from social issues, almost everyone of them has some issue or the other.

**Preeti Thakur**  
B.A. 3rd Year  
Roll No. 6105

## Start Where You Stand

The past won't help you in beginning new,  
If you have left it all behind at last  
Why, that's enough, you're done with it, through;  
This is another chapter in the book,  
This is another race that you have planned,  
Don't give the vanished days a backward look,  
Start where you stand.

The world won't care about your old defeats  
If you can start a new and win success;  
The future is your time, and time is fleet  
And there is much of work and strain and stress;  
Forget the buried woes and dead despairs,  
Here is a brand new trial right at hand,  
The future is for him who does and dares,  
Start where you stand.

**Meena**

B.A. 3rd Year  
Roll No. 4610

## Stop Trying, Be Willing

I am willing to rest.

It feels like I can't rest right.

Now, but I am willing.

My willingness provides a space with in which God  
can work in me to bring me into a place of rest.

Whether my mind is busy or whether my mind is  
quiet, I am in stillness and quiet.

I am willing to meet any thoughts of resistance with  
acceptance and love.

I am willing to rest.

**Deepika**

B.A. 3rd Year  
Roll No. 4613

## Trees Like Heaven

I think that I shall never see

A poem lovely as a tree.

A tree whose hungry mouth is prest,  
Against the earth's sweet flowing breast.

A tree that looks at God all day  
And lifts her leafy arms to pray.

A tree that may in summer  
where a nest of robins in her hair.  
Upon whose bosom snow has lane  
Who intimately lives with rain.

Trees write these letters  
when our world turns cold.

When hope seems lost

When they long to hold.

Memories of autumn

Glittering gold.

**Payal Pathania**  
B.A. 1st Year

## Rain

Rain drops.

Felt today as new,

My heart melted

as wind blew,

Embraced my self today,

And am up against  
all dismay,

Yes, happiness  
caught me again,

As sadness went  
down with drops of rain,

Felt again as am  
weird and insane,

As today am out  
of my flashback's bane.

**Priyanka Katoch**  
B.A. 1st Year

## Article On Health & Fitness

Good health is a born to your body. It helps you physically and mentally. Good health can be maintained by doing regular exercise and maintaining a well - balanced diet. It is imperative to eat proper meals at the appropriate time. The key source of being happy is fit and healthy. It helps us to perform our daily chores properly without being lazy or dull. A healthy person's body is in complete harmony with his mind. We can practice the art of health and wellness by keeping in mind that are bodies are made from living tissues require nutrition to grow and the food we eat is directly responsible for the nutrients that reach our tissues.

**Sahil Verma**

B.A. 1st Year

Roll No. 21GEO017

## The Power of Prayer

Prayer is a conversation from the heart with Lord. Prayer is an act of trust in God's divine providence. Prayer helps us to nurture our relationship with almighty God. God calls us to pray in order to develop and deepen our relationship with him. Prayer is a mighty weapon at the disposal of every person who loves God. Prayer also energizes the heart of a believer through the power of spirit. In simple words, we can say Prayer is talking to God. It's a soul to soul connection. If we pray to God with all our heart, he answers our prayers. The Bible say, "The righteous cry out, and the Lord hears them; he delivers them from all their troubles". (Psalms 34:17). Even when we lack faith or have very little faith. Sometimes learning to trust God with our prayer is like being a toddler. We stumble, we fall but our hands. He says, so do not fear, for I am with you, do not be dismayed, for I am your God. I will strengthen you with my righteous right hand (Isiah 41:10). So, always have faith in God because everyone can leave you but God will always be with you.

**Angel**

B.A. 3rd Year

Roll No.- 4617

## Nature : A Great Teacher

Nature is like mother. It is essential for us because it provides all the basic needs of life. Nature is also a great teacher. We can learn many lessons from her. The flower blooms only for a day, yet it keeps smiling till the end. This is a lesson for us. We should live our life to the fullest, how short it may be. water is soft but it flows over hard rocks, the rocks give in. In the same way our problems may be difficult but if we persist, they too give in. Tiny ants organise themselves and carry away heavy insects. They teach us that we can do impossible tasks through hardwork. Similarly the bare tree in winter come back to its green majesty once again in spring. We can learn from it that the difficult time will never remain with us forever. This, nature is the greatest gift of God to mankind. Every object of nature teaches us something about life.

**Kiran**

B.A. 1st Year

English Major

## Soldier

If I die in a war zone,  
Box me up and send me home.  
Put my medals on my chest,  
My mom I did my best.  
Tell my dad not to bow.  
He won't get tension from me now.  
Tell my brother to study perfectly,  
Key of bike will be his permanently.  
Tell my sister not to be upset.  
His brother will take a long sleep after sunset.  
Tell my nation not to cry.  
"Because I'm a soldier born to die."

Riya (Major English)  
B.A. 3rd Year  
Roll No. - 4601

## The Lesson

I keep on dying again  
veins collapse, opening like  
the small fists of sleeping children.  
Memory of old tombs,  
Rotting flesh and worms do  
Not convince me against  
The challenge the years.  
And cold defeat live deep in  
lines along my face.  
They dull my eyes, yet  
I keep on dying  
Because I love to live.

Anamika  
B.A. 1st Year

## Need of Aim In Life

An aimless person is like a ship that has lost its control over the sea. The aim is defined as a strong will to achieve something. Every person must have a well-defined objective in life. It helps a person to understand the direction of his/her correct.

Every person has a set of goals in life that they want to achieve. To achieve their goals, that person needs to work hard, and aims/goals help a person to attain his value in the society. Choosing the right goal directs the person on the right path. Therefore, setting an aim and working hard to achieve it is very important for a successful life.

Amisha Choudhary  
B.A. 3rd Year  
Roll No.: 4604

## Confidence

The R.J. Tooke name on an article of men's wearing apparel is not only a guarantee of quality but it is also an unfailing protection to the buyer against high prices.

The confidence of our customers born in the last generation when the business was founded, and it has taken deeper root down through the years of our endeavor to serve all our patrons faithfully and well.

Komal  
B.A. 2nd Year  
Roll No. 4607

## Self Confidence

Self-confidence is an altitude about your skills and abilities. It means you accept and trust yourself and have a sense of control in your life felling confident in yourself might depend on the situation.

**Importance of Self Confidence :-** Greater self-confidence allows you to experience freedom from self doubt and negative thoughts about yourself. Experiencing more fearlessness and less anxiety. Greater confidence makes you more willing to take smart risks and more able to move outside your comfort zone. Having greater freedom from social anxiety.

**Development of Self-Confidence :-**

Tips for building self confidence

- \* Look at what you've already achieved. It's easy to lose confidence if you believe you haven't achieved anything.
- \* Think of things you're good at everyone has strengths and talents.
- \* Set some goals. \* Talk yourself up. \* Get a hobby.

**Example of Self Confidence :-** Self - confidence is a person's belief or trust in their own ability. An example of self - confidence is a guitarist knowing they're able to play a particular song really well. A measure of one's belief in one's own abilities.

**Types of Self-confidence :-**

1. 'Unwarranted' confidence.
2. 'Pasted on' confidence.
3. 'I've already done it' confidence.
4. 'Effort will lead to results' confidence.

**Role of self-confidence in students life :-**

Self-confidence enables students to handle setbacks with ease. Instead of being crippled by failure, resilient children get up quickly, learn from their mistakes and try again. They accept that failure is a part of life and take more chances as a result which make them even more successful later in life.

## Happiness

Every human being on the planet wants to be happy. Anything that anyone desires is because they think their desire will make them happy. Whether it is health, money, a loving relationship, material things, accomplishments, a job, or anything at all, the desire for happiness is the bottom line of all of them.

But remember tat happiness is a state inside us, and something on the outside can only bring fleeting happiness, because material things are impermanent. Permanent happiness come from you choosing to be permanently happy.

When you choose happiness, then you attract all the things as well.  
The happy things are the icing on the cake, but the cake, is happiness.

**Milan Pathania**  
B.A. 3rd Year  
Roll No. - 4625

## Life and Death

Life and Death are the one thread and the same line viewed from different sides. A person who lives fully is prepared to die at any time.

Death is something no one can escape from. It follows life as surely as night follows day, winter follows autumn or old age follows youth. People make preparations so that they won't suffer when winter comes. They prepare so they won't have to suffer in their old age. For most people, death is something to be feared, to be dreaded or it is seen as just the absence of life - blankness and void. Death has even come to be considered some how "Unnatural".

**What is Death :-** If we ignore death, I believe that we are condemned to live a shallow existence to live "hand to mouth" spiritually. We may assure ourselves that we will somehow deal with death "When the time comes". In order to avoid thinking about the fundamental issues of life and death. It is my firm belief that facing the issue of death can help bring real stability, peace and death to our lives.

### **Don't Be Afraid, Enjoy your Present.**

An awareness of death enable us to live each day - each moment - filled with an appreciation for the unique opportunity we have to create something of our time on earth. I believe that in order to enjoy true happiness, we should live each moment as if it were our last. Today will never return. We may speak of the past or the future, but the only reality we have is that of this present instant and confronting the reality of death actually enables us to bring unlimited creativity, courage and joy into each instant of our lives.

**Sunaina Katoch**

B.A. 3rd Year

Roll No. - 4627

## Building of a Good Character

The word character when used it is generally attributed to an individual only, but it is not So, or it applicable to a social group or a nation too, This word character commonly used to indicate good character only, but each of as possesses character either good or bad. But a man of good character always finds a place of importance in the society. Character building is a process and there is some qualities that one must possesses to be a character and successful one.

Which are that one must have cool mind in every situation, have trust in himself and patience to wait, not to lie, have will power to change dream into reality, treat everyone equally. if one possesses these qualities he could make the fullest us of each moment in his life and could build a good character.

**Priyanka**

B.A. 3rd Year

Roll No. - 4602



## Glimpses of Annual Function



## Glimpses of Annual Function



## NCC CADETS IN ACTION



## ECO CLUB ACTIVITIES



HIMNDOOR



*Science*   
 *Section*

**Session- 2021-22**



**Editor of Science Section :-  
Dr. Neera Rashmi**

## Content

| S.No. | Article                               | Name of Writer   | Page No. |
|-------|---------------------------------------|------------------|----------|
| 1.    | From the Editor's Desk                | Dr. Neera Rashmi | 37       |
| 2.    | Student Editor                        | Shivansh Kumar   | 37       |
| 3.    | Saving wet lands & the Himalyas       | Akash Singh      | 38       |
| 4.    | Did you know ?                        | Kajal            | 38       |
| 5.    | Nuclear Power                         | Sakshi Koundal   | 38       |
| 6.    | Journal of Modern & Applied Physics   | Shivansh Kumar   | 39       |
| 7.    | Gravity                               | Agrim Dhiman     | 39       |
| 8.    | DNA Finger Printing                   | Anupriya         | 39       |
| 9.    | Biotechnology                         | Riya             | 40       |
| 10.   | Heat Tolerance in plants              | Riya Thakur      | 40       |
| 11.   | A problem in Dynamics                 | Seema            | 40       |
| 12.   | Green Manure & Crop Production        | Nischal Chambyal | 41       |
| 13.   | Sacred Plants                         | Jatinder         | 41       |
| 14.   | Agriculture in Himachal Pradesh       | Sarika           | 42       |
| 15.   | Earth Says                            | Sarita Bhardwaj  | 42       |
| 16.   | Potato - The Staple Food              | Anjali Dhiman    | 43       |
| 17.   | Tea                                   | Gaytri Devi      | 43       |
| 18.   | Plants v/s Tribes of Himachal Pradesh | Riya             | 44       |
| 19.   | Forces Song                           | Anu Dhiman       | 44       |
| 20.   | The Detection of Shocked              | Ritul Bharti     | 44       |
| 21.   | Waste & Composting                    | Tanuja           | 45       |
| 22.   | Biopiracy                             |                  |          |

## FROM THE EDITOR'S DESK

It gives me immense pleasure to present the science section of our college magazine to you. This magazine will give a clear picture of the way of thinking of our college students. It is a matter of great pride that the hidden talent and creativity of our college students have come up to the stage through this section where everyone can bioscope their knowledge.

Science is not mere knowledge but realized knowledge. It requires a different approach to the phenomenon happening around us which in other words is a scientific attitude.

Our young talents and great personalities of tomorrow have tried their best to make this section a success. Selection of articles is a very tough job while selecting the articles for publication their originality, variety, style and standard are kept in mind.

I congratulate all whose articles are published and wish better luck next time to those whose articles could not be selected.

Wishing you a Happy Reading.



Dr. Neera Rashmi

Associate Prof. of Botany

## Student Editor

**The Capacity to learn is a gift;  
The ability to learn is a skill;  
The willingness to learn is a choice.  
Learning is the only thing the mind never exhaust,  
never fear and near regrets.**

It was a learning experience for me. Doing new things everyday was the best part, collecting articles, drafting them and finally achieving our agenda is really fun. It had been a memorable experience being a part of college editorial board and I enjoyed a lot in designing science section and I hope you will like it.

This is a time of great changes, a student today is an individual, a real person with feeling of self respect, responsibility and compassion. We need to recognize, appreciate, applaud the sensibilities in a child.

We are pleased to present to you our college Magazine i.e. HIMNOOR, which is viewed a launch pad for students urges to blossom naturally. This humble initiative is to set budding minds free allowing them to roam in the realm of imagination and experience to create a world of beauty.

I had great and lovely experiences and of course for our batch students it was little challenging as we learned now things through social media, which was our source of learning as there was almost no offline classes for atleast around 1.5 year. Learning through online mode was I guess almost a great experience for all students. Attending classes from phone. Finally I learned a thing we shouldn't put ourselves in boxes of our choices, we should keep on exploring how much we can. Because every individual have great capatilities and I feel Corona was a period I got great time to explore myself up so my message to everyone is just keep exploring yourself because "Only you can allow yourself to explore the person in the mirror." I feel college life is the best time to explore yourself.....



Shivansh Kumar

Roll No. 1618

B.Sc. Final Year

## **Saving Wet Lands & The Himalyas**

A wet land is an area where land and water meet. These can be natural or man made. Rivers, fresh water lakes streams marshes, ponds and swamps are few example of natural wet lands High altitude wetlands (HAWS) are those wetlands that are located above 3000 m above sea level and are fed by glacier. The HAWS found in the Indian Himalyas are great importance because they help store water and control floods and droughts by absorbing water like sponges and slowing down the rate of river flow. They help purify water, prevent soil erosion and recharge ground water. These Himalyan wetlands plays an important role in water system of mighty rivers like Ganga, Brahmputra and Indus. Due to their shur beauty and cultural significance these wetlands attracts millions of tourists every year and it is becoming increasingly difficult for the region to retains its identity as a life threat due to pollution caused by humans.

**Akash Singh**

Roll No. 1606

B.Sc. Final Year

### **Did You Know ?**

1. You can't taste food without saliva.
2. It's possible to get sick or even die from drinking too much water.
3. Liquid Oxygen is blue.
4. Some lipstick contains lead acetate or sugar of lead. This toxic lead compound makes the lipstick taste sweet.
5. Coca Cola originally contained cocaine.
6. Glass is actually a liquid, its just flow very slowly therefore it is also called as Super Celled Liquid.

**Kajal**

Roll No. 665

Final Year

### **Nuclear Power**

Nuclear energy represent only 15% of the electricity produced worldwide. Through in Francs 80% of its electricity production is from nuclear energy and more than one fourth of the electricity in Europe comes from the nuclear energy. Nuclear energy represents a very small percentage in many countries. But this percentages is likely to go up in the coming years. Nuclear power is generated using Uranium, a mineral of which one of the isotopes Uranium 234 is unstable. The nuclear breaks down resulting in the emission of heat and radiation followed by a chain reaction called nuclear fission and liberates a large amount of energy, but the process also releases radiations which is very dangerous.

**Sakshi Koundal**

Botany

B.Sc. Final Year

## Journal of Modern & Applied Physics

Journal of modern and Applied Physics is an international, peer received, open access journal that provides an academic platform for professionals and researchers to contributes innovative work in the field. It offers as great opportunity to budding scholars of scientific community to make their academic work available to readers around the world.

The journal of modern physics carries original and full length articles that reflects the latest research and development in both theoretical and practical aspects of physics. The aim to provides complete and reliable source information on the current developments in the fields of acoustic, astrophysics and geophysics, biophysics, computational physics, free electron physics, laser and quantum electronics, medical physics, optics, semi conductor physics and devices, solid space physics and spaces physics.

**Shivansh Kumar**

Roll No. 1618

B.Sc. Final Year

### Gravity

It's why the world's the right way up, from birth, the apple never flies but falls to the ground it orchestrates the dance of moon and earth and levels my feet securely on the ground. The earth's weak pull on me than quite as much mine on it. Receives no second glance the lux of gravity music chiefly touch vast bodies at vast ranges in their dances.

**Agrim Dhiman**

Zoology 1613

B.Sc. Final Year

### DNA Finger Printing

**DNA Fingerprint :-** DNA (Dioxyribo Nnucleic Acid) represents that blue print of human genetic makeup. DNA fingerprinting therefore is a DNA pattern that has a unique sequence such that it can be distinguished from the DNA patterns of other individuals. DNA fingerprinting, also called DNA profiling, is the technique of using fragments produced by cleaving the DNA with the help of restriction endonuclease enzymes, to identify particular individuals. It is also called southern blotting technique. In 1975, E.M. Southern invented a procedure to identity the location of genes. The term DNA fingerprinting was given by Alec Jeffreys (1986) at Leicester university of England. It is based on the principle of every person has specific pattern of DNA sequence of both mother and father. In India indigenous technology of DNA fingerprinting was developed by Dr. Lalji Singh and his Colleagues at centre for Cellular and Molecular Biology (CCMB) at Hyderabad in 1988.

**Applications of Finger Printing :-**

1. It is extremely useful in identification of criminals.
2. It is extremely significant in identification of victims of crimes or accidents.
3. It is employed to determine population and genetic diversity.
4. It helps in determine Kinship relationship and paternity testing.
5. It is a quick method to compare DNA sequence of different individuals.

**Anupriya**

Botany (1135)

B.Sc. Final Year

## Biotechnology

Biotechnology advances is a review journal which consider all accepts of multidisiplinary field. The scope includes biotechnology principle and function of agriculture medicine environmental concerns and regulatory issues Authoritative article on current developments and future trends in biotechnology are empathized submissions of appropriate manuscripts are invited. A wide audience of scientists, engineers and other is addressed students, instructors, researchers, practitioners, managers, governments and related stake holders special issue are published on selections of presentations at recent relevant conferences as arranged with organisations.

**Riya**

Botany (1137)  
B.Sc. Final Year

## Heat Tolerance in Plants

Heat stress due to increased temperature is an agricultural problems in many areas in the world. Transitory or constantly, high temperatures cause an array of morpho anatomical, physiological and biochemical changes in plants, which affect plant growth and development and may lead to a drastic reduction in economic yield. The adverse effects of heats, stress can be mitigated by developing crop plants with improved thermotolerance using various genetic approaches. For this purpose, however a through understanding of physiological responses of plants of high temperature, mechanism of heat tolerance & possible strategies for improving crop thermotolerance is imperative. Heat stress affects plant growth through its ontogeny, though heat - threshold level varies considerably at different developmental stages. For instance, during seed germination, heat temperature may slow down or totally inhibit germination, depending on plant species & intensity of the stress, At later stages, high temperature may adversely effect photosynthesis, respiration and membrane stability and also modulate levels of hormones and primary & secondary metabolites. Further more throughout plant ontogeny enhanced expression of a variety of heat shock proteins and production of reactive oxygen species (ROS) constitute major plant responses to heat stress.

**Riya Thakur**

Botany (1122)  
B.Sc. Final Year

## A Problem In Dynamics

An inextensible heavy chain lies on a smooth horizontal plane. An impulsive force is applied at A, required the initial motion of K.

Let  $ds$  be the infinitesimal link, of which for the present we've only to think. Let  $T$  be the tension and  $T + dT$  the same for the end that is nearest to B. Let " $a$ " be put by a common convection. For the angle at 'M' theist  $OX$  and the tension. Let  $V_1$  and  $V_n$  be de's velocities of which  $V$  along and  $V_n$  across it is, then  $V_n/V_t$  the tangent will equal of the angle of starting worked out in the sequel.

**Seema**

B.Sc. (Zoology Major)

## Green Manure And Crop Production

The positive role of green manuring in crop production has been known since ancient time. Important of the soil ameliorating practice is increasing in recent years because of high cost of chemical fertilizers, increase risk of environmental pollution and need of sustainable cropping system. Green manuring can improve soil physical, chemical and biological properties and consequently crop yields . Further more potential benefits of green manuring are reduced nitrate ( $\text{NO}_3^-$ ) leaching risk and lower fertilizer N requirements for succeeding crops. However, its influence may vary from soil to soil, crop to crop environmental variables, type of green manure crop used and its management. Beneficial effects of given manuring in crop production should not be evaluated in isolation ; However in integration with chemical fertilizers. The objective of this article is to review recent advantage in green manuring practice, in the context of potential benefits and drawbacks is use of this practice for annual crop production and sustain soil health and fertility.

**Nischal Chambyal**

B.Sc. 3rd Year

Roll No. - 1130

## Sacred Plants

Plant are the oldest associated of man from very ancient time life without plants cannot be imagined the relationship between natural resources between natural resource and the people has been forged within moral cultural, political economic and ecological boundaries. Sacred plants are plants or plant's parts used in various culture and religious rites and rituals of the tribals for their spiritual promotions . In India the deep knowledge and faith in plant animal and forests has largely contributed to natural conservation of the environment and its biodiversity. There is also a belief that the plants which are sacred to the Gods and Goddess they have the medicinal utilities and the power of relieving a person from the diseases. Human planted trees to conserve plant for future use. Human beings offer different plant products in their religious activities to the deities. The material include leaf, flower, fruit seeds etc. Forest preserved on religious ground is known as sacred groves or Deo-rai. All forms of vegetation in such a sacred groove including trees, herbs, shrubs. Climbs are believe to under protection of the reigning deity of that groove. Preservation of entire part of vegetation with a deity from preservation of individual species like peepal, neem etc. There are 300 sacred groves recorded in India.

**Jatinder**

B.Sc. Final Year

Roll No. 1106

## Agriculture in Himachal Pradesh

Himachal Pradesh describe by the ancients as "Dev Boomi" is situated in the heart of the Himalayas in the northern part of India. Himachal Pradesh agriculture is a very crucial part of the state's economy as agriculture. The agriculture sector of the Himachal Pradesh has more than 45 percent contribution in its economy. The chief food crops cultivated in Himachal Pradesh agriculture include wheat, maize, rice, barley, seed potato, ginger, vegetables, mushrooms, hops, olives. Himachal Pradesh is also known as 'Apple State of India' for its large - scale production of fruits. The farming community of the state holds an area of 9.99 lakh hectares which is run by 8.63 lakh farmers out of the total geographical area of 55.673 lakh hectares. The main cereals cultivated in Himachal Pradesh agriculture are wheat, maize, rice and barley. Kangra, Mandi district and to some extent Paonta valley of Sirmour district are the major producers of wheat, maize and rice. The main sources of irrigation in Himachal Pradesh are small water channels that are filled from the perennial and seasonal springs, well irrigation in few areas and lift irrigation.

**Sarika**

B.Sc. Final Year  
Roll No. 1123

## Earth Says

Off all the planets, I am special ; I am the mother Earth.  
Filled with water, air and life ,  
Humans, trees, birds, water animals and wildlife.  
I spin and turn all year round the orbit.  
To give you all the seasons and climate.  
You people use my land, air, water and soil  
But keep on filling it with little and allowing it to spoil.  
I provide you air, food and home to live with greedy, lust .  
You destroy the nature I give and plot you own nature's death.  
The air you fill with smoke, makes my breath choke.  
You make my heart fill with strife by cutting down the green f  
And pushing up the green house gases.  
What was once a clean sea and pure soil is now all barren;  
Clogged with waste and oil.  
How long can I sand the trouble ?  
I start to scream and tremble .  
I give you all I have, unto my end;  
But it's now all in your hands to defend and mend.



**Sarita Bhardwaj**  
B.Voc. H & T 5th Sem.  
Roll No. - 215

## Potato - The Staple Food

Potato is also known as queen of vegetables. Potato is one of the most important food plant in the world. It is one of cheapest source of starchy food. Potato is good source of nutrients contain carbohydrates, fiber, protein, fat minerals like potassium, phosphorus, vitamins like thiamine, riboflavin, niacin, vitamin-C, folic acid etc. It is a small plant with large leaves. The part of the potato that people eat is a tuber that grows under the ground. Mostly potato cultivation in U.P. , W.Bengal, Bihar, Assam, M.P., Punjab, Gujrat, Karnataka etc. In hilly tracts it grown as a summer crop while in plains as a winter crop optimum temp. b/w 15°C and 25°C temp. for the tuber formation in below in 21°C . It grows in all types of soils. It is used in vegetable snacks, products, alcoholic drinks and medicine they are used in skin cure etc. The economic value of potato is high . So we should take care and should increase its production.

No doubt , potatoes are useful but we should avoid green potatoes as they are toxic and harmful.

Anjali Dhiman

B.Sc. Final Year

Roll No. 1108

## Tea

Tea is the most popular of all drinks in the modern civilized society. Now a days, some people can go without food but they cannot go without a morning cup of tea because of their stimulating and refreshing nature. It is made from the leaves of the tea plant. This plant is an evergreen shrub. It grows upto four or five feet in height. Tea grows in plenty in China, Japan, Banglades, India and some other countries. The tea plant is grown in hilly places where there is much rainfall as well as sunshine. Tea seeds at first sown at a place. Then the seedlings are transplanted in specially prepared ground . much care is needed in watering the plant, removal of the weeds and protection of the plants from insects and worms. Tea leaves are gathered from the plants about four times a year. After the leaves are gathered, they are dried. They are then rolled up in machines until the colour of tea is gradually change from brown to black. the leaves are exposed to the air . Then it is powdered . This tea is produced for uses. Tea has a great demand in the world market . Considering the economic value of tea. We should take care of its increased

Gaytri Devi

B.Sc. Final Year

Roll No. 1107

## Plants v/s Tribes of Himachal Pradesh

The major tribes of Himachal Pradesh are :-

- 1) **Gaddi** :- They are a pastoral, semi-nomadic, dominant ethnic tribe from H.P. , that predominantly inhabits districts of Chamba & Kangra. Their main profession is shepherding that is rearing of the sheep and goats and mainly spend their winters in low hills of the Shivalik range and highlands in summer.
- 2) **Gujjar** :- This ethnic group comprise of both Hindu and Muslim segments. The Hindu Gujjars mainly predominate in the districts of Kangra, Bilaspur, Sirmour and Solan whereas that of the Muslims inhabit Chamba & Sirmour. Their main occupation is rearing of cattle yet how the vast majority of them practice settled farming & animal husbandry.
- 3) **Kinnaura** :- The members of this tribal community are inhabitants of district Kinnaur who claim their origin from divine forces. They are variously known as Kinnaura, Kinara, Kanawara or Kinnaurese .
- 4) **Pangwals** :- This generic term is employed for all the natives of Pangi valley of the Chamba district with the Brahmins and Rajputs constituting bulk of it. Their spoken language is Pangwali & they worship Goddess Durga , weaving of woolen clothes & blankets is also done regularly .

### Plants used by the tribals :-

The tribal people depend on forests for their livelihood. These people are very close to nature and have hereditary traditional knowledge of consuming wild plants & their parts viz. tuber, shoots, leaves, fruits etc. as source of food.

Based on the plant-parts food eaten, the wild edibles have been classified into following types:-

- i) **Plants with edible fruits** :- Majority of these wild fruits are eaten raw when ripe e.g. Alangium, Salvifolium, Nimbusops elengi, Eleaagnus spp. etc.
- ii) **Plants with edible flowers** :- A few wild species are important for their edible flowers, buds, inflorescence etc. e.g. Alpinia galanga, chenopodium album, portulaca oleracea.
- iii) **Plants with edible seeds** :- A large percentage of such kinds, however has found usage mainly as scarcity foods during famine. e.g. seeds of Artoctopus heterophyllus, parkia urghii etc.

Riya

B.Sc. Final Year

Roll No. - 1122

### Forces Song

Push Push Push or Pull  
Moving things through air  
Forces push and forces pull.  
Balls move stop and stare

Push Push, Push or Pull  
Force are the way  
Balls can fly and balls can stop  
Forces night and day.

Anu Dhiman  
Zoology Major  
B.Sc. Final Year

### The Detection of Shocked

Stars start out as cloud of gas and dust  
and bits of spinning stuff. Collapsing  
gravitationally until they're dense enough.

They form themselves in little lumps /  
or so says this bloke's jeans 'Dynamic  
Instabilities'

Ritul Bharti  
Botany  
B.Sc. Final Year

## Waste and Composting

**Information is like compost ,**

**It does no good unless you spread it around .**

Composting is the natural of decomposition of organic matter by micro-organisms under controlled conditions. Raw organic materials such as food garbage, crop residues and suitable industrial waste. Compost plays an important role in soil, fertility and hence in sustainable agricultural production. Composting upcycles organic kitchen and yard waste and manures into an extremely useful humus like soil end product, nutrients and particularly bacteria that are vital to plant nutrition to the soil. Managed aerobic composting arranges environmental conditions so they are optimal for the natural processes to take place.

**The ground's generosity takes in**

**Our compost and grows beauty !**

**Try to be more like the ground .**

Approaches to composting :-

- **Active (Aerobic)** - An active compost heap, steaming on a cool morning. The heap is kept warm by exothermic action of the bacteria as they decompose the organic matter. Hot thermophilic composting is essential with some materials such as meat and other animal products e.g. eggs

- **Passive (Anaerobic)** - Cool temperature when the level of physical intervention is minimal. It is the more common type of composting in domestic gardening. It may be in open or closed container of wood or in open exposed piles. Kitchen scraps are put in garden compost bin . This scrap bin can have high water content which reduces aeration and become odorous .

It's all a compost heap. You just put down a layer of humus that helps other stuff grow . Your work will be forgotten but it will help stuff grow.

**Purpose** - A home garden can be primarily fertilized with compost. From the compost at home , it can help to improve your soil, prevent plant disease and reduce green house gases. The compost can also help soften , plant material, increase the water holding capacity of the plant and convert the ammonia in the plant into protein .

**Never, ever rest on your laurels ,  
Today's laurels are tomorrow's compost.**

**Tanuja**  
B.Sc. 2nd Year  
(Botony Major)

## Biopiracy

Biopiracy is the practice of commercially exploiting naturally occurring genetic material or biochemical. Biopiracy has emerged as a term to describe the way that corporations from the developed world claim ownership of free ride on or otherwise take unfair advantages of the genetic resources and traditional knowledge so biopirates are those individuals or companies who are accused of one or both of following :-

- i) The theft, misappropriation of or unfair free riding on genetic resources or traditional knowledge through the patent system
- ii) The unauthorised and uncompensated collection for commercial end of genetic resources or traditional knowledge.

### Effect of biopiracy :-

- i) Depletion of biodiversity
- ii) Intellectual poverty
- iii) Hampering of traditional use
- iv) Resources poverty by diversity resource away from local communities.

### Example of Biopiracy :-

#### i) Patenting of Neem :- *Azadirachta Indica*

The people of India in a variety of way have used neem since time immemorial. Indians have shared the knowledge of properties of neem with entire world, Pirating this knowledge. The VSDA and an American MNC W.R. Grace in the early 90's sought a patent (No. 04262575) from European patent office (EPO) on the method controlling on plants by the aid of hydrophobic extracted neem oil. The patenting of the fungicidal properties of neem was an example of biopiracy.

ii) **Patenting of Basmati** :- Basmati is a long grained aromatic variety of rice indigenous to Indian subcontinent. In 1997, the US Patent and Trade mark office (USPTO) granted a patent (No. 5663484) to a texas based American Company rice Tec. Inc. for Basmati rice line and grains, the patent application was based on 20 very broad claims on having invented the said rice. Due to people's movement against rice Tec. in March 2001 the USPTO rejected all but three of the claims.

Anupriya

B.Sc. - 3rd Year

Roll No. - 1135



**HIMNOOR**



**Economics & Planning**  
**Section**



**Session - 2021-2022**

*Editor :-*  
**Asstt. Prof. Pearl Baskari**



# Contents

| S.No. | Article                                  | Name of Writer                                  | Page No. |
|-------|------------------------------------------|-------------------------------------------------|----------|
| 1.    | From Editor's Pen                        | Ms. Pearl Bakshi<br>(Asstt. Prof. of Economics) | 49       |
| 2.    | Economics                                | Renu Bala                                       | 50       |
| 3.    | Cryptocurrency In India                  | Simran                                          | 50       |
| 4.    | Why Think About Economics ?              | Aditi Devi                                      | 51       |
| 5.    | Impact of Covid-19 on India Economy      | Neetu Devi                                      | 51       |
| 6.    | Unemployment I Hate You                  | Samriti                                         | 52       |
| 7.    | Marketing                                | Kanchan                                         | 52       |
| 8.    | Population Explosion                     | Meenakshi                                       | 52       |
| 9.    | Water Conservation                       | Sanjna Devi                                     | 53       |
| 10.   | Green Revolution in India                | Isha Devi                                       | 53       |
| 11.   | Save Water Save Life                     | Minakshi Devi                                   | 53       |
| 12.   | Health Economics                         | Rohini                                          | 54       |
| 13.   | Economics Welfare                        | Rekha Devi                                      | 54       |
| 14.   | Planning & Economic Development in India | Meghna Choudhary                                | 55       |
| 15.   | Economy                                  | Ankita Koundal                                  | 55       |
| 16.   | वायु प्रदूषण                             | Ankita Rani                                     | 56       |
| 17.   | पर्यावरण                                 | Ankita                                          | 56       |
| 18.   | भारत में बेरोजगारी की समस्या             | Sakshi Devi                                     | 56       |
| 19.   | सतत विकास                                | Afrina                                          | 57       |
| 20.   | देश की उन्नति में किसानों की उन्नति      | Preeti Devi                                     | 57       |
| 21.   | Indian Economy                           | Ranjana                                         | 57       |
| 22.   | पर्यावरण की रक्षा, दुनिया की सुरक्षा     | Ankita                                          | 58       |

## From Editor's Pen

" My task, which I am trying to achieve is,  
by the power of the written word,  
to make you hear,  
to make you feel,  
It is before all, to make you be ".

**-Joseph Conrad**



I am really proud and exuberant to share that we are ready with the **Economics and Planning** section in the fresh issue of **HIMNOOR** and hope readers will have great time in the realism of imagination and creative world of our dear students that they have tried to pen down on paper.

Our students have put in great amount of effort for its readers to experience the surreal and unalloyed joy of reading. Through these articles students have displayed blooming creative minds and potential to excel in every aspect of life.

I am thankful to the institution, Madam Principal Dr. Aruna Sharma, Chief Editor Dr. Anil Kumar and my co-editors for having faith in me as one of the editors of the **HIMNOOR** Magazine. Not the least, In the end I want to thank my students who made effort for writing and joyful experience.

To all the readers, I hope you have joyous and informative experience reading these articles and hope they bring a change in your perception and way of living for better .

Thank You.

**Pearl Bakshi**

Asstt. Prof. of Economics

## Economics

- E - Enterprise of solving economic problems
- C - Calculator of the economics activities around us
- O - Observer of the economic situation of the world
- N - National income study
- O - Outlook future of the world economy
- M - Maximum satisfactory way to get knowledge about the conditions of world economy
- I - Inter relationship among different economics of the world
- C - Characterization of the different economics sectors
- S - Science of application of wealth

**Renu Bala**

\*\*\*\*\* Class- B.A. (1st Year)

Roll No. - 21Eco008

## Cryptocurrency In India

Though Indian was regularly buying and selling bitcoin in as early as 2015. The crypto-currency made its real debut as Fiat Money in November 2016, when the government demonetized 86 percent of paper currency . The reason for this is two fold.

First, demonetization forced many Indians holding onto large amount of untaxed, black money to quickly find new, novel ways of laundering money in order to avoid both taxation and government scrutiny. Bitcoin became an ingenious way to hide money from the purview of the state: would-be money launders could simply purchase large quantities of bitcoin with old rupee notes, then sell them back later for newly minted, legal currency.

Secondly and more importantly, demonetization showed the value of money. As journalist and novelist John Lanchester explains in an essay on bitcoin, "The value of fiat money is an act of faith ." By turning the vast majority of India's fiat currency into valueless paper overnight.

However, a growing domestic crypto currency ecosystem and favourable government regulations could make bitcoin more accessible to middle class Indians, setting the stage for a digital gold rush.

**Simran**

Class- B.A. (3rd Year)

Roll No. - 06104

## Why Think About Economics ?

- Economics is both a powerful tool and a basis for political decisions. The theories and conflicts that it embodies are central to what is happening today and to what has happened in the past and will happen in future.

- I think that a library manager needs to have an appreciation of those theories and conflicts, especially in order to deal with the issues involved in strategic management. This appreciation does not require expertise in economics but it does require knowledge of what the theories and conflicts are and perhaps even more important of what the methodologies used to deal with them are.

- It is for this reason that I have included economic models among the ones presented in the course.

- Beyond that, though I think that in the addition to the values in simply understanding what the methodologies are, the library manager may well find them of value in mangement.

\*\*\*\*\*

Aaditi Devi

B.A. (1st Year)

Roll No. - 21BAM005

## Impact of Covid -19 on Indian Economy

The impact of corona virus pandemic on India has been largely disruptive in terms of economic activity as well as a loss of human lives.

The contribution of the aviation sector and tourism to our GDP stands at about 2.4% and 9.2% respectively. The tourism sector served approximately 43 millions people in FY 18-19 . Aviation and Tourism were the first industries that were hit significantly by the pandemic. The common consensus seems to be that Covid-19 will hit these industries have been dealing with severe cash flow issues since the start of the pandemic and are staring at a potential 38 million lay offs, which translates to 70% of the total workforce. The impact is going to fall on both, white and blue collar jobs. According to IATO estimates, these industries may incur losses of about 85 billion Rupees due to travel restrictions. The pandemic has also brought about a wave of innovation in the fields of contactless boarding and travel technologies .

Neetu Devi

B.A. (3rd Year)

Roll No. - 3694

## Unemployment I Hate You

I was at varsity in my comfort zone.  
I never knew the reality.  
Sky was the limit.  
My dreams were unlimited.  
I never knew that today I would be  
Sitting here unemployed so hopeless  
and ashamed of myself.  
All my dreams are fading.

Unemployment you are the cause of poverty.  
Unemployment you are the cause of depression.  
Unemployment you are a poison.  
Unemployment you are a disaster.  
Unemployment you are a disaster.  
Unemployment I hate you.

To be employed, its not about how you know  
But about who you know .  
Corruption, nepotism and cronyism  
Are the recipes for poverty and unemployment.  
Unemployment I hate you.

**Samriti**

B.A. - 2nd Year

Roll No.- 6111

## Marketing

Fruitful marketing strategy  
Is crucial for any industry  
And service provider.

Everyone loves beautiful thing  
So the packaging of products  
Must be eye catching .  
Advertisement should be in such a way.

So that the potential consumers  
are attracted to the product or service.

Quality of the product or service  
should be of international standard.  
So that it can survive in the completion  
of open market economy.

In this way an industry or service-  
provider can become successful .

**Kanchan**

B.A. 2nd Year

Roll No. 6110

## Population Explosion

Population explosion refers to the rapid increase in the number of people in an area. It is a situation where the economy of the country cannot cope up with the rapid growth of the population. Evidently, the largest contributing countries to population explosion are the poorer nations and are termed as developing countries. In India, the state and Lakshadweep is the least populated. Population explosion has become the mother of evils in our country because too much population is trapping people in a web of poverty and illiteracy that further escalates the problem. Any time of the day, whether it is a metro station, airport, railway platforms road, highway bus stop, shopping mall, market or even a social or religious gathering, there is always a swelling crowd of people in India.

**Meenakshi**

## **Water Conservation**

**Water Water Everywhere  
Not A Single Drop To Drink.**

These lines are proved true as the scarcity of water is catching on all around the world. This is the result of man's undue harvesting of the natural resource. Hence, we need water not only for our personal but also for agriculture and industries when there is plenty of water. We tend to waste it by leaving the taps running. Our carelessness leads to a lot of waste.

Earth is called a water planet because it covers 75% of the earth's surface. Fresh water is found as ground. Water is found in rivers, lakes etc. We have to conserve each and every drop of water which is being wasted today. So, it is very important for us to conserve water.

**Sanjna Devi**

B.A. 1st Year

Roll No. 21BAM004

## **Green Revolution in India**

The Green Revolution was a period that began in the 1960s during which agriculture in India was converted into a modern industrial system by the adaptation of technology, such as the use of high yielding variety (HYV) seeds, mechanised farm tools, irrigation facilities, pesticides and fertilizers.

- You'll know the green revolution has been won when the word 'green' disappears.
- Green Revolution is best solution to arrest pollution.

**Isha Devi**

B.Com. 3rd Year

Roll No. 3633

## **Save Water Save Life**

Earth is the only planet in the solar system which has extensive water resources. 71% of the earth's surface area is occupied by water. For this reason, it is known as the 'Blue Planet'. The only reason why life persists on Earth is because of the presence of both fresh water and sea water in it.

Water is very essential for survival of the human race. Of the 71% of water only a small portion is available for drinking. Thus it is crucial to saving water. Water should be conserved because the supply is less, the requirement is increasing with the increasing population. The quality is limited whereas the demand is unlimited. For the community to not outrun the amount of water available, water must be used very carefully. Saving water is very much needed to save life on Earth.

**Minakshi Devi**

B.Com. 3rd Year

Roll No. 3648

## Health Economics

Health Economics is a branch of economics concerned with issues related to efficiently effectiveness, value and behaviour in the production and consumption of health and healthcare. Health economics is important in determining how to improve health outcomes and lifestyle patterns through interactions between individuals healthcare providers and clinical settings. In broad terms, health economists study the functioning of healthcare systems and health affecting behaviours such as smoking, diabetes and obesity. One of the biggest difficulties regarding healthcare economics is that it does not follow normal rules for economics. Price and quality are often hidden by the third-party payer system of insurance companies and employers. Additionally, QALY, one of the most commonly used measurements for treatments, is very difficult to measure and relies upon assumption that are often unreasonable.

**Rohini**

B.A. 3rd Year

Roll No. 6122

## Economic Welfare

Welfare Economics is a branch of Economics that uses micro economics techniques to evaluate well being (welfare) at the aggregate (Economy wide) level. A typical methodology begins with the derivation or assumption of a social welfare function which can then be used to rank economically feasible allocations of resources in terms of the social welfare they entail. The field of welfare economics is associated with two fundamental theorems. The first state that given certain assumption competitive markets produce (Pareto) efficient outcomes. It captures the logic of Adam Smith's invisible hand. The second states that Pareto efficient outcome can be supported as a competitive market equilibrium. Thus a social planner could use a social welfare function to pick the most equitable efficient outcome, then use lump sum transfer followed by competitive trade to bring it about. Because of welfare economics close ties to social choice theory, Arrows impossibility theorem is sometimes listed as a third fundamental theorem.

Attempting to apply the Principles of welfare economics give rise to the field of Public Economics, the study of how government might intervene to improve social welfare. Welfare economics also provide the theoretical foundations for particular instrument of public economics including cost-profit analysis. While the combination of welfare economics and insights from behavioral economics has led to the creation of a new sub field behavioral welfare economics.

**Rekha Devi**

B.A. 3rd Year

Roll No. 6114

## Planning & Economic Development in India

India's Economic development since independence may perhaps be divided into three phases : a period of organisation and preparation extending from 1947 to 1950, a period of Economic expansion encompassing the first four year of the first 5 year plan (1950-1954) and a period of showing down and of crisis since 1956.

In a sense, these periods were harvest-determined . That is, economic progress under planning proceeded rapidly as long as favourable weather conditions produced a succession of good harvests. Under these circumstances, food imports could be reduced . Foreign exchange resources were released for import of capital goods and generally the pressure on the balance of payment was relaxed. However this process was reversed in 1954-1955 with the apparent end of a favourable Monsoon Cycle. As a result, strong inflationary pressures began to mount in the Indian Economy and food imports had to be stepped up to the point where foreign exchange resources were being used up at a much more rapid rate than contemplated in the second plan. This, in turn necessarily forced a cutback in the import of investment goods and a general reduction of investment and production target.

**Meghna Choudhary**

B.Com. - 3rd Year

Roll No. - 3613

### Economy

The word economy comes from the Greek word 'Oikonomos' which means "one who manages a household". At first , this origin might seem peculiar. But in fact, households and economics have much in common . A household faces many decisions. It must decide which members of the household do which tasks and what each member gets in return: who cooks dinner ? Who does the laundry ? Who gets the extra dessert at dinner ? Who gets to choose what TV show to watch ? In short, the household must allocate its scarce resources among its various members, taking into account each member's abilities, efforts and desires . Like a household, a society faces many decisions. A society must decide what jobs will be done and who will do them. It needs some people to grow food, other people to make clothing and still others to design computer software. Once society has allocated people (as well as land, building and machines) to various jobs, it must also allocate the output of goods and services that they produce. It must decide who will drive a Ferrari and who will take the bus. It must decide who will eat caviar and who will eat potatoes . The management of society's resources is important because resources are scarce. Scarcity means that society has limited resources and therefore can't produce all the goods and services people wish to have. Just as a household can't give every member everything he or she wants. A society can't give every individual the highest standard of living to which he or she might aspire.

**Ankita Koundal**

B.Com. 3rd Year

Roll No. 3612

## वायु प्रदूषण

हमने प्रकृति से नाता तोड़ा है,  
हवाओं में भी खूब जहर छोड़ा है,  
इसका ठिकरा दूसरे के सिर पर फोड़ा है  
सुधर जाओ दुनिया वालों अभी थोड़ा है,

हवाओं में सबसे ज्यादा जहर  
गाड़ियों के धुएँ ने घोला है,  
शहर का हर पाँचवा आदमी,  
सांस का मरीज है लेकिन  
हमने फैक्ट्री पर फैक्ट्री खोली है।

शहरों में पेड़ काटते ज्यादा  
और लगाते बहुत ही कम हैं,  
इन पड़े-लिखे लोगों को कैसे समझायें  
इसी बात का तो गम है।

ऐसी तरक्की का क्या फायदा  
बच्चों को स्वच्छ हवा ना दे सके,  
कोरोना का जब कहर बढ़ा  
साँसों लगी टूटने तब हम अपनों को  
ऑक्सीजन रुपी दवा ना दे सके।

तरक्की-दौलत के नशे में चूर है,  
हम प्रकृति से बहुत दूर हैं,  
बीमारियों ने सबको घेरा है,  
सफलता का ये कैसा सवेरा है।

Ankita Rani  
B.A. 1st Year

## पर्यावरण

पर्यावरण, जिसमें चारों तरफ से संपूर्ण  
ब्रह्माण्ड और जीव जगत घिरा हुआ है। अर्थात् जो हमारे चारों  
ओर है। यही पर्यावरण है। पर्यावरण पर मनुष्य ही नहीं, बल्कि  
सभी जीव-जंतु, पेड़-पौधे, प्राकृतिक वनस्पतियाँ आदि पूरी  
तरह निर्भर हैं।

पर्यावरण के बिना जीवन की उम्मीद नहीं  
की जा सकती है, क्योंकि पर्यावरण ही पृथ्वी पर एक मात्र जीवन  
के अस्तित्व का आधार है। पर्यावरण हमें स्वस्थ जीवन जीने के  
लिए शुद्ध जल, शुद्ध वायु, शुद्ध भोजन उपलब्ध करवाता है।

एक शांतिपूर्ण और स्वस्थ जीवन जीने के  
लिए एक स्वच्छ वातावरण बहुत जरूरी है। लेकिन हमारे  
पर्यावरण मनुष्यों की कुछ लापरवाही के कारण दिन में गंदा हो  
रहा है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे सभी को, विशेष रूप से हमारे  
बच्चों के बारे में पता होना चाहिए।

Ankita  
B.A. 3rd Year  
Roll No. 6107

Roll No. 21ECO005

## भारत में बेरोजगारी की समस्या

बेरोजगारी आधुनिक समाज की मुख्य समस्या बन गई है। हमारे देश में भी यह बुरी तरह से फैल गई है। यह एक गंभीर समस्या है। जिसे  
दूर करने के लिए सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता है।

यदि हम समाज के ढाँचे में से बचना चाहते हैं, तो इसके लिए एक समस्या के उचित और शीघ्र समाधान की  
आवश्यकता है। वैज्ञानिक उपलब्धियों के कारण जहाँ एक ओर पृथ्वी का आकार छोटा हो रहा है वहीं दूसरी ओर विशाल जनसंख्या के  
कारण इसका आकार बढ़ गया है। जनसंख्या वृद्धि के फलस्वरूप बेरोजगारी की समस्या भी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। रोजगार  
की सुविधाएँ तो उतनी ही हैं, लेकिन जनसंख्या बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी कई प्रकार की होती है। शिक्षित लोगों की बेरोजगारी की  
समस्या सबसे कष्टप्रद है। प्रत्येक वर्ष विद्यालयों, विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों की एक बड़ी भीड़ रोजगार के क्षेत्र में कदम रखती है,  
लेकिन उन सभी को जीविका उपलब्ध करना एक बड़ी समस्या है। उनमें से कुछ प्रतिशत लोग ही जीविका प्राप्ति में सफल हो पाते हैं।  
बेरोजगारी के मुख्य कारण तीन हैं। सबसे प्रमुख कारण जनसंख्या वृद्धि है। वर्ष 1981-91 के दौरान भारत की जनसंख्या लगभग 16  
करोड़ बढ़ी थी और यह निरंतर बढ़ रही है। दूसरा कारण हमारी शिक्षा प्रणाली है।

इसका रूप अव्यवहारिक और सैद्धान्तिक है, जो विद्यार्थियों को किसी प्रकार की जीविका के लिए तैयार करने में  
सक्षम नहीं है। तीसरा कारण यह है कि हमारे देश की जनसंख्या में तो वृद्धि हो रही है, लेकिन उसी गति से औद्योगिक उन्नति और  
राष्ट्रीय आय में वृद्धि नहीं हो रही है। बेरोजगारी के प्रति समाज और राज्य के दृष्टिकोण में अंतर भी बेरोजगारी की समस्या को बढ़ाते हैं।  
बेरोजगारी की समस्या के के अंदर ही इसका समाधान निहित है। इसके लिए जनसंख्या की वृद्धि को रोकने के उपाय, शिक्षा-प्रणाली  
में सुधार और समाज का पुनः निर्माण शामिल है। इस समस्या से निपटने का एक कारगर उपाय बड़े पैमाने  
पर औद्योगीकरण को प्रोत्साहन देना है। औद्योगिक विकास से ही रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं।

Sakshi Devi  
B.A. 2nd Year  
Roll No. 6102

## सतत विकास

शब्द 'सतत विकास' का सबसे पहली बार प्रयोग 'वर्ल्ड कन्सर्वेशन स्ट्रेटजी' द्वारा किया गया जिसे 'प्रकृति और प्राकृतिक साधनों के संरक्षण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संघ ने 1980 में प्रस्तुत किया। ब्रण्डटलैंड रिपोर्ट (Brundtland Report) के अनुसार सतत विकास का अर्थ है वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को भविष्य की पीढ़ियों को आवश्यकताओं से समझौता किये बिना पूरा करना। अतः सतत विकास का अर्थ उस विकास से है जिसे निरन्तर चालू रहना चाहिए। यह सभी लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सतत सुधार की रचना है। जिसे प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में वृद्धि शिक्षा में सुधार, स्वास्थ्य तथा जीवन की सामान्य गुणवत्ता में सुधारों और प्राकृतिक पर्यावरणीय साधनों की गुणवत्ता में सुधारों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। अन्य शब्दों में यह यह स्थिति है। जिसमें समय के आर्थिक विकास कम नहीं होता। इसे विकास के ऐसे पद के रूप में संशोधित किया जा सकता है। जिसमें भविष्य की पीढ़ी के विकासों का वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनाये गये मार्ग द्वारा समझौता नहीं किया जाता। सतत विकास यह विकास है जो निरन्तर चलता है। यह प्राकृतिक पर्यावरण में सुधार द्वारा जीवन की गुणवत्ता में योगदान करता है। बदले में यह व्यक्तियों की तुष्टि की पूर्ति करता है। आर्थिक प्रक्रिया को आनते तथा सेवाएं उपलब्ध करता है। जो मानव जीवन की सहायता करती है। तथापि पीयरस और बारफोर्ड के शब्दों से "सतत विकास एक प्रक्रिया है। जिसमें प्राकृतिक साधनों के आधार को क्षय नहीं होने दिया जाता।" यह पर्यावरणीय गुणवत्ता को अब तक अप्रशंसित भूमिका पर बल देता है। तथा वास्तविक आय और जीवन को गुणवत्ता की वृद्धि की प्रक्रिया में पर्यावरणीय आगंतों पर भी बल देता है। सतत विकास का मापन प्रायः कठिन होता है। इसमें पर्यावरणीय मूल्यांकन तथा इसमें रोकने पर आने वाली लागत से तुलना सम्मिलित होती है। इसे बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसे पूंजी स्टॉक का मापन, प्राकृतिक साधनों का लेखा और प्राकृतिक साधनों के संरक्षण और उपयोग के बीच वैकल्पिक सन्तुलन बनाये रखने के लिए उचित छूट दर का प्रयोग। तथापि यहां हम सतत विकास की प्राप्ति की शर्तों पर परिचर्चा करेंगे। विश्व विकास प्रतिवेदन 2000 सभी लोगों के लिये विकास नीति के प्रमुख लक्ष्य के रूप में जीवन की गुणवत्ता में सतत सुधारों के सृजन पर बल देता है। जो निरन्तर चलता है। यह प्राकृतिक पर्यावरण में सुधार द्वारा जीवन की गुणवत्ता में योगदान करता है। बदले में यह व्यक्तियों की तुष्टि की पूर्ति करता है। आर्थिक प्रक्रिया को आगते तथा सेवाएं उपलब्ध करता है। जो मानव जीवन की सहायता करती है। 17 सतत विकास लक्ष्य और 169 उद्देश्य सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के अंग हैं। जिसे सितम्बर 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की शिखर बैठक में 193 सदस्य देशों ने अनुमोदित किया था। यह एजेंडा पहली जनवरी 2016 से प्रभावी हुआ है कि वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है। भविष्य की पीढ़ियों की क्षमता से समझौता करने के लिए अपनी जरूरतों को पूरा करने के बिना "सतत विकास सिर्फ पर्यावरण के बारे में नहीं है। उससे कहीं ज्यादा व्यापक है।

Afrina

B.A. 2nd Year

Roll No. 6103

## देश की उन्नति में किसानों की उन्नति

किसान अपने कड़े परिश्रम पर भरोसा करता है, और किसी अन्य पर नहीं। वह मौसम के किसी भी परिस्थिति की परवाह किये बिना खेतों में कड़ी मेहनत से अपना काम करता है। किसान सारे राष्ट्र को कई प्रकार के भोजन देने के बावजूद भी वह बहुत ही सरल भोजन करते हैं और एक सादगी भरा जीवन जीते हैं।

देश के हर व्यक्ति के जीवन में किसान बहुत ही महत्व रखता है। कोई भी किसान के महत्व को नकार नहीं सकता। किसान हमारे जीवन में कितना महत्व रखते हैं मैंने नीचे सूचीबद्ध किया है।

हम सभी को अपनी भूख मिटाने और अपने जीवन के अस्तित्व को बचाने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। जब भी हम अपने खाने और उसे पैदा करने वाले के बारे में सोचते हैं तो मन में केवल एक ही तस्वीर आती है और वो है, किसान की। किसान ही हमारे अन्नदाता हैं जो हमारे लिए अन्न पैदा करते हैं।

"जब किसान आगे बढ़ेगा, हिंदुस्तान तरक्की करेगा"

Preeti Devi

B.A. 3rd Year

Roll No. 6105

## Indian Economy

**Indian Economy 2021-22** :- अगर कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर जून आखिर तक के बाद कम हो जाए तो वर्ष 2021-22 में भारत की आर्थिक वृद्धि 8.2% रह सकती है। **Indian Economy 2021-22** क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल (CRISIL) ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 **Indian Economy 2021-22** के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर ( ) के पुर्णानुमान को घटाकर सोमवार को 8.2% कर दिया जबकि पहले उसने 11% ग्रोथ रेअ का अनुमान रखा था। पी टी आई की खबर के मुताबिक एजेंसी ने कहा है कि अगर कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर जून आखिर तक के बाद कम हो जाए तो वर्ष 2021-22 में भारत की आर्थिक वृद्धि 8.2% रह सकती है।

अप्रैल से जून 2021 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 23.9% की गिरावट देखी गई जबकि इसके बाद वाली तिमाही में 7.5% की गिरावट दर्ज की गई थी। यह वह दौर था जब देश में कोविड संक्रमण का असर अर्थव्यवस्था पर दि रहा था और देशभर में लॉकडॉउन की स्थिति थी।

वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व की एवं विकासशील अर्थव्यवस्था कहा जाता है। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत की अर्थव्यवस्था एक मिश्रित अर्थव्यवस्था रही है। भारत के बड़े सार्वजनिक क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए रोजगार और राजस्व प्रदान करने के प्रमुख कारक रहे हैं।

2021-22 के पहली तिमाही में जीडीपी 32.38 लाख करोड़ रुपये रही है। जो 2020-21 की पहली तिमाही में 26.95 लाख करोड़ रुपये थी। पिछले साल 2020-21 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी 23.9 फीसदी की गिरावट आई थी। **Indian GDP Growth Rate** भारत की जीडीपी में आई रिकॉर्ड तेजी 20.1 फीसदी की दर से बढ़ी अर्थव्यवस्था **Indian GDP Growth Rate** भारत की जीडीपी में आई रिकार्ड तेजी पहली तिमाही में ही 20.1 फीसदी की दर से बढ़ी अर्थव्यवस्था।

**Indian GDP Growth Rate** :- कोरोना काल में सबसे पहला झटका देश की जीडीपी को लगा था। अब इसमें सुधार दिखने लगा है। मंगलवार को सरकार की तरफ से जीडीपी को ताजा आंकड़े जारी किए गए। वित्त वर्ष 2022 की पहली तिमाही यानी अप्रैल 2021 से जून 2021 में भारत की जीडीपी की ग्रोथ में 20.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई थी।

**योगदान :-** भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का योगदान कई गुणा रहा है। सकल घरेलू उत्पाद में झटका हिस्सा 55.2% है। 10% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। कुल रोजगार के लगभग एक चौथाई का योगदान दे रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश इन्फ्लो में काफी अच्छा हिस्सा है और कुल निर्यात का लगभग एक तिहाई है। और वर्ष 2010-11 की प्रथम अपने सेवा क्षेत्र के आकार और गतिशीलता के लिए भारत आग्रणी है।

Ranjana

B.A. - 2nd Year  
Roll No. 6109

## पर्यावरण की रक्षा, दुनियाँ की सुरक्षा

पर्यावरण न सिर्फ जीवन को विकसित और पोषित करने में मदद करता है, बल्कि इसे नष्ट करने में भी मदद करता है। पर्यावरण जलवायु के संतुलन में मदद करता है और मौसम चक्र को ठीक रखता है।

वही अगर सीधे तौर पर कहे मानव और पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं और दोनों एक-दूसरे पर पूरी तरह से निर्भर है। वही अगर किसी प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित कारणों की वजह से पर्यावरण प्रभावित होता है। तो इसअसर हमारे जीवन पर पड़ता है।

लेकिन फिर भी आजकल लोग भौतिक सुखों की प्राप्ति और विकास करने की चाह में पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने से नहीं चूक रहे हैं। चंद लालच के चलते मनुष्य पेड़-पौधे काट रहा है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर कई ऐसी प्रतिक्रियाएं कर रहा है। जिसका बुरा असर हमारे पर्यावरण पर पड़ रहा है। वही अगर समय रहते पर्यावरण को बचाने के लिए कदम नहीं उठाए गए तो मानव जीवन का आस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

Ankita

B.A. 3rd Year

Roll No. 6107

**HIMNOOR**



***B. Voc.***   
 ***Section***

**Session- 2021-22**



**Editor of B. Voc. Section - Asstt. Prof. Anjana Gautam**

## Contents

| S.No. | Article                                                | Name of Writer             | Page No. |
|-------|--------------------------------------------------------|----------------------------|----------|
| 1.    | Editorial                                              | Asstt. Prof. Anjana Gautam | 61       |
| 2.    | Editorial                                              | Sheena                     | 61       |
| 3.    | I am a tourist                                         | Neha                       | 62       |
| 4.    | How to Guide                                           | Ricky                      | 62       |
| 5.    | Monuments of India-Charminar                           | Jyoti Bala                 | 62       |
| 6.    | Hospitality Management                                 | Amandeep Singh             | 63       |
| 7.    | My Holiday in Vancouver                                | Heena                      | 63       |
| 8.    | Taj Mahal Palace Hotel                                 | Preeti                     | 63       |
| 9.    | Majestic Monuments of India                            | Maneesh Kumar              | 64       |
| 10.   | Temples in India                                       | Yogesh Kaundal             | 64       |
| 11.   | Drewniverses                                           | Meenakshi Pathania         | 64       |
| 12.   | Schooling does not assure<br>employment but skill does | Ankush Mahajan             | 65       |
| 13.   | Omni Channel Retail                                    | Ankush Mahajan             | 65       |
| 14.   | Visual Merchandising                                   | Kavita Choudhary           | 65       |
| 15.   | B.Voc. in Retail Management                            | Kashish                    | 66       |
| 16.   | Retail- A growing sector                               | Kartik                     | 66       |
| 17.   | Why we need retail management ?                        | Janvi                      | 67       |
| 18.   | The life of a soldier                                  | Karun Mehra                | 67       |



## Editorial

It gives me immense pleasure to write about Tourism and Hospitality course. The main objective of this is to create awareness about tourism & hospitality programs among potential students & to motivate our budding professionals.

The stream tourism and hospitality is the most diverse and interactive stream of all. In today's new world, tourism is providing the main revenue to the country. This course is all about your surroundings getting to travel through it, interactive with the ecosystem & absolutely having immense fun.

Apart from the hospitality & tourism there is another course running in the department is retail management. The main intent of the programme is to fulfill the gap between skilled and unskilled workforce in retail market of India. Which further help in generating more employment for youth in the most attractive and emerging retail market. This course is all about the activities related with the retail stores that exists near by you all.



Asstt. Prof. Anjana Gautam  
Editor, Vocational Section

\*\*\*\*\*

## Editorial

Dear Readers,

Student life is the most important time in a human's life and helps to make it great. While studying in the college, I learned how we learned. I feel that the B.Voc. course which I have taken is very important for us. In three years, we have got to learn a lot from our teachers and use have get a lot of support from our teachers.

B.Voc. course is a three years degree program and it also takes time to time training in which students get to learn a lot.



Sheena

B.Voc. 5th Sem. (Retail Management)

Roll No. - RM/213

### **I Am A Tourist**

I am a tourist and a citizen of the world  
No leaning on a wall  
That's is black or white  
An observer of butterflies  
And flowers and bees  
and honey and the stings  
I am in Jerusalem  
One city, two settlements  
I am in Hebron  
On apartheid street  
In a dilemma where to go  
One building two faiths  
I am in Gaza  
I am told the sea and the sky  
Are all occupied  
Still the land is free ?  
If Jesus will come back to his home place  
He would be utterly confounded.

**Neha**

B.Voc. 5th Sem. (H & T)

Roll No. - 212

### **How To Guide - Make More Money With Text Message Marketing**

Sneak peek : "Nearly two-thirds of consumers subscribed to mobile marketing indicate that they have made a purchase as a result of receiving a highly relevant mobile message." We're going to break down how you can specifically use text message marketing to reach your customers and bring them into your store and through the checkout line, thereby making you more money.

**Ricky**

B.Voc. - 5th Sem.

Roll No. - RM/240

### **Monuments of India -Charminar-**

The Charminar constructed in 1591, is a monument and mosque located in Hyderabad, Telangana, India . The landmark has become known globally as a symbol of Hyderabad and is listed among recognised structures in India. It has also been officially incorporated as the Emblem of Telangana for the state of Telangana.

The Charminar's long history includes the existence of a mosque on its top floor for more than 400 years. While both historically and religiously significant, it is also known for its popular and busy local known for its markets surrounding the structure and has become one of the most frequents tourist attractions in Hyderabad.

**Jyoti Bala**

B.Voc. - 1st Sem.

Roll No. - 8

## **Hospitality Management**

The concept of Hospitality is known since ancient times, the meaning of the term Hospitality refers to welcome, warmth, kindness and generosity. In the ancient times, people considered hospitality to be very significant for their religious well being. Religion is regarded to be the primary encouraging strength in the concept of Hospitality. In historic as well as in ancient times, priests, missionaries and pilgrims formed the large part of the traveling public, their journeys included traveling religious holy places and temple that had a governing position in their religions, besides priests and pilgrims. The other people who were engaged into traveling were the military travels or for the purpose of diplomacy or political with the emergence of vehicles such as motor cars. Also the importance of hospitality management became more.

**Amandeep Singh**

B.Voc. (HT)

Roll No. - 21HT040

## **My Holiday in Vancouver**

My summer holidays are often a little boring, but my summer holidays last year was great. My family and I got onto an airplane and flew to.

Vancouver ! It was our family first time to visit Canada. We got up very early almost every day and did lots of really fun and interesting things. On our first day, we visited Stanley Park and the Vancouver Art Gallery. Later in the week, we visited some museum and then got on a special boat to watch whales. It was fantastic ! I took lots of photos. Of course , we also visited our cousins who live in Vancouver. One evening, they had a barbeque and we ate at their home. After we finished our food, we invited them to come to our home one day.

**Heena**

B.Voc. 1st Sem.

Roll No. - 16

## **Taj Mahal Palace Hotel**

The Taj Mahal Palace is a heritage, Five-Star, luxury hotel in the Colaba area of Mumbai, Maharashtra in India situated next to the gateway of India. Built in the Saracenic Revival style, it opened in 1903 as the Taj Mahal Hotel and has historically often been known simply as "The Taj". The hotel is named after the Taj Mahal, which is located in the city of Agra approximately 1.050 Km (650 miles) from Mumbai. It has been considered one of finest hotels in the East since the time of the British Raj. The hotel was one of the main sites targeted in 2008 Mumbai attacks.

**Preeti**

B.Voc. 1st Sem.(HT)

Roll No. - 21HT028

## Majestic Monuments of India

India is one of the most beautiful country in the world and is best known for its colourful culture and fascinating heritage . Its grand monuments, like the Taj Mahal act as strong pillars of the rich and deep history that India possesses. From their splendid architecture to a strong legacy , the historical monuments of India speak volumes. Most of these Indian monuments were primarily built under the regime of Rajputana, Dravielian and Mughal emperors. The monuments of India are speaking stones of the glory of its rules and the brilliance of artisans in ancient India. Some of the well-preserved monuments in different parts of country are Red fort (North), Sun Temple Konark (East), Amer Fort (West) and Charminar (South).

\*\*\*\*\*

**Maneesh Kumar**

B.Voc. (H&T)

Semester - 1st

Roll No. - 21HT009

## Temples in India

India being part of the world oldest civilizations is a land of rich history, countless beliefs, traditions and legends surrounding the religion. India takes pride in the country's rich cultural and religious history as it is the birth land of the traditions of Hinduism, Jainism, Buddhism and Sikhism.

List of most popular temples in India are as follows :-

| Temple Name          | City / State Name         |
|----------------------|---------------------------|
| Badrinath Temple     | Chamoli (Uttarakhand)     |
| Sun Temple           | Konark (Odisha)           |
| Brihadeeswara Temple | Thanjavur (Tamilnadu)     |
| Somnath Temple       | Somnath (Gujarat)         |
| Kedarnath Temple     | Rudraprayag (Uttarakhand) |
| Sanchi Stupa         | Sanchi (Madhya Pradesh)   |
| Vaishno Devi Temple  | Katra ( J & K)            |
| Siddhivinayak Temple | Mumbai (Maharashtra)      |
| Golden Temple        | Amritsar (Punjab)         |

**Yogesh Kaundal**

B.Voc. H&T

Semester -1st

Roll No. - 21HT024

## Drewniverses

You are not a tree, You are not bound to the ground you walk on . You have wings and dreams and a heart full of wonder. So pick up your feet and go spread kindness like. A wildflower wherever you go. Fall in love with the life you live and always leave people better than you found.

THEM.

DREWNIVERSES

**Meenakshi Pathania**

B.Voc. H&T

Semester - 3rd Sem

**"Schooling does not assure employment but skills does" - Anil Kalautri**

In harmony with above quote, I feel skills as the most valuable part of life. It is the process of identifying your skills gap and developing and honing these skills. Its important because skills determine your ability to execute plan with success writing skills is also a part of skills which one must possess to express their views about one feels or think. The inculcation of passion for creative thinking and pen down thinking in the form of articles is one of the major benchmark set by the Magazine "Himnoor". It serves as a great platform to rent out students way express thoughts about Retail and Hospitality and Tourism Industry. These both industries require different skills to manage customer services and moreover for handling various daily operations including writing skills. So among all the skills one of the skills that our student author have put across in the form of writing pieces to improve your knowledge about Retail, Tourism & Hospitality Industry. So It has been a great pleasure to see the B.Voc. students as young writers.

At last, I would like to wish all the readers a very happy reading,

Ankush Mahajan

Senior Trainer

B.Voc. (Retail Management)

### **Omni Channel Retail**

It is an approach to commerce that focuses on providing suppers with a unified experience across digital and physical channels from browsing to order fulfillment.

Omni Channel Retail is based on the premise that integrating multiple touch point, add extra value and as a whole, It's greater than the some of its parts. And there's no one size - fits all omni channel strategy.

**Example :-** NIKE's omni channel strategy involves harnessing the insight from data collected by its apps and interactive physical stores. Company's apps boast 250 M users. Thanks to real time customer's data, Nike noticed that more people do yoga and quickly designed Yoga Gears. Then new product was sold both through online and in-store sales channels in a true omni channel manner.

Ankush Mahajan

Senior Trainer

B.Voc. (Retail Management)

### **Visual Merchandising**

Visual Merchandising is a marketing practice that uses floor plans, colour lighting, displays, technology and other element to attract customer attention. Its ultimate purpose is to use the retail space to generate more sales.

**Types of Visual Merchandising :-**

**Display windows :-** Display windows are glass enclosures on the exterior walls of a shop.

**Store Layout :-** The floor plan of a retail location or showroom ,Interior Displays,

Mannequins, Point of purchase display, Lighting design,

Music, Scent .

Kavita Choudhary

B.Voc. (RM) 5th Sem.

Roll No. - RM/208

## **B.Voc. In Retail Management**

B.Voc. Retail Management is a bachelor level course. The duration of this course is 3-year long and its syllabus is divided into six semesters and it provides on a part-time basis by various institutes. In this course of study in the field of retailing, that involves principles of retailing and retail operations. Topics that were studied in this course are following retail supply chain management, accounting, retail customer service, quality, store location and management marketing and computer technology etc. It is a career presenting in nature and provides many job opportunities for the candidates after its successful completion. It covers the study of different parts of a retail operation.

**Employment Areas :-** Merchandise knowledge, Retail information systems, Retail operations, Sales and Marketing, Store functions, Store Management, Supply chain management, Departmental stores, Health care industry, Mall management

**Job Scope :-** Operations Manager, Public Relations Executive, Restaurant Manager, Retail Buyer and Merchandiser, Retail Executive, Sales Associate, Sales Executive, Sales Manager, Store Manager, Supply Chain Distributor, Advertising Manager

**Kashish**

B.Voc. (RM) 1st Sem.  
Roll No. - 21RM019

## **Retail - A Growing Sector**

Retail Management is a process of running and managing retail outlet 'day-to-day' activities surrounding the selling of goods and services to customers.

In the case of the Retail solution, the central object in all logistics processes is the **article**, whereas in industry. It is the material for example retail needs variants (such as colour and size).

Whether is store or corporate headquarters many of key in retail internal co-ordination, planning and logistics, store operations, human resources / training, finance and administration, buying, marketing, logistics and information technology.

Retailing in India is one of the pillars of its economy and accounts for 14 to 15 percent of its GDP. The Indian Retail Market is estimated to be US \$650 billion and one of the top five retail markets in the world by economic value.

**Kartik**

B.Voc. (RM) 1st Sem.  
Roll No. - 21RM024

## Why We Need Retail Management ?

The various processes which help the customer's to procure the desired merchandise from the retail stores for their end user refer to retail management. Retail management includes all the steps required to bring the customers into the store and fulfill their buying needs.



Retail management makes shopping a pleasurable experience and ensures the customer's leave the store with a smile . In simpler words, retail management helps customer's shop without any difficulty.

**Need for retail management - Why retail management :-** Peter wanted to gift his wife a nice watch on her birthday. He went to the nearby store to check out few options. The retailer took almost an hour to find the watches. This irritated Peter and he vowed not to visit the store again. An example of poor management.

**Janvi**

B.Voc. (RM) 1st Sem.

Roll No. - 21RM033

## The Life of a Soldier

A soldier is a person who protects our country from enemies. He is courageous enough to fight and face all kinds of dangerous and difficulties. A soldier is a fighter. He loves his country and is ever ready to sacrifice his life when needed. In India, a soldier is called as "Jawan" and he is the backbone of the army. He leads a hard and tough life. Soldiers are healthy, strong and active people. A soldier may either belong to the army, navy or air force. He has to undergo a tough training programme to become a soldier. Soldiers are well trained for any situation, they might have to face while protecting the country. The sole purpose of a soldier is to protect our country from internal and external enemies and fight for the nation.

They are well trained to use various kinds of weapons and aircrafts, climb mountains and swim in deep seas. They are thought to survive in the toughest conditions . A soldier has to be on duty for long hours. He lives away from his family and hardly gets to meet them once or twice a year . He makes history and history immortalizes him.

**Karun Mehra**

B.Voc. (RM)

Semester - 1st

# FORM IV

(See Rule 8)

**Place of Publication** : Nurpur (H.P.)  
**Periodicity of Publication** : Annual Magazine  
**Printer's and Publisher's Name** : Principal, Govt. Arya Degree College  
Nurpur (H.P.)  
**Nationality** : Indian  
**Address** : Govt. Arya Degree College,  
Nurpur (H.P.)  
**Name and Address of Individuals** : Govt. Arya Degree College,  
**who own the magazine & partners** Nurpur  
**or Shareholders holding more than**  
**one percent of the total capital**

I, Dr. Anil Kumar, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

**Dr. Anil Kumar**  
Associate Prof. of Hindi  
Govt. Arya Degree College

## NSS VOLUNTEERS IN ACTION



# SPORTS ACTIVITIES





**PRINCIPAL WITH TEACHING STAFF**



**PRINCIPAL WITH MINISTERIAL STAFF**

